INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-26 | मथुरा, सोमवार, 23 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

आस्था और खुशियों का संगम... नवरात्र में जन्मी बेटियां, घर-घर बधाई

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्र के बीच आस्था और खुशियों का संगम बना हुआ है। नवरात्र में जन्मी कन्या (बेटियों) को लेकर कई परिवारों में खुशियां मनाई जा रही है। बेटियों के जन्म पर परिजन खास उत्साह में नजर आ रहे हैं। कन्या के जन्म को माता रानी का आशीर्वाद मान रहे हैं। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय एवं वृंदावन स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय समेत अन्य सरकारी अस्पताल और निजी हॉस्पिटलों में सुने जा रहे हैं कि बधाई हो... घर में दुर्गा जी आ गई हैं। नवरात्र में बेटियों के जन्म को विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया है। नवजात बेटियों के नामकरण को लेकर भी परिवारों में अलग उत्साह देखने को मिल रहा है। अभिभावक अपनी बेटियों के नाम देवी स्वरूपों पर रख रहे हैं। गौरी, वैष्णवी, सरस्वती के साथ-साथ दुर्गा, लक्ष्मी, भवानी, अंविका, कात्यायनी और महागौरी जैसे नाम तेजी से पसंद किए जा रहे हैं। परिवारों का मानना है कि ऐसे नाम रखने से बेटियों पर देवी की कृपा बनी रहेगी। ममता देवी ने कहा कि शादी के चार साल बाद पहला बच्चा हुआ है। नवरात्र में बेटी का जन्म उनके लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने उसका नाम वैष्णवी रखने का निर्णय लिया है। कल्पना गुप्ता ने बताया कि उनकी पहली संतान बेटी हुई है और पूरा परिवार बेहद खुश है। इसलिए वे उसका नाम गौरी रखेंगी। साधना शर्मा ने कहा कि नवरात्र में बेटी का जन्म माता रानी के आशीर्वाद जैसा है और उन्होंने अपनी बच्ची का नाम वैष्णो रखा है।

फोटो-एआई

कई परिवारों में बेटियों का जन्म, देवियों के नाम पर रखे नाम

आयकर विभाग की सहकारी बैंकों के खातेदारों पर पैनी नजर

एआई से खुलेगा खातों का राज

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आयकर विभाग के निशाने पर अब व्यापारी ही नहीं बल्कि सहकारी बैंक भी आ गए हैं। खाताधारकों के लेन-देन व जमा और ब्याज की जानकारी न देने पर मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, झांसी, ललितपुर तथा इटावा के सहकारी बैंक प्रबंधकों को पिछले कुछ समय में नोटिस भेजकर सभी खाताधारकों की जानकारी साझा करने के लिए कहा गया है। कुछ बैंकों की शाखाओं के अधिकारियों ने आयकर विभाग से आने वाले नोटिस आने की बात स्वीकारी है तो किसी को नए नोटिस के आने की जानकारी नहीं है। जानकारी करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। जानकारी मिलने के साथ ही विभाग लाखों खातों के सभी लेनदेन को एआई की मदद से विवादित लेन-देन चिह्नित कर आगे की कार्रवाई करेगा। बैंकिंग व आयकर नियमों के अनुसार सभी बैंकों को अपने खाताधारकों का पैनकार्ड लेकर अपलोड करना होता है। इसके साथ ही सहकारी बैंकों को हर साल अपने खाताधारकों की बैंकिंग गतिविधियों का ब्योरा साझा करना होता है। इसमें खाताधारकों के चालू या बचत बैंक खातों की जमा और निकासी, फिक्स डिपॉजिट, किसी भी तरह से खाते में आए ब्याज व अन्य लेन-देन की जानकारी शामिल है। सूत्रों के अनुसार मथुरा, आगरा, झांसी, ललितपुर, फिरोजाबाद तथा इटावा के जिला सहकारी बैंकों समेत 12 बैंकों को आयकर विभाग ने विभिन्न सेक्शन में नोटिस भेजकर जानकारी उपलब्ध कराने व भेजी गई जानकारी दुरुस्त करने को कहा है। इसके लिए मियाद भी तय की गई है। अगर बैंक जानकारी नहीं देते हैं तो सर्वे की कार्रवाई की जाएगी। कुछ समय पहले इटावा के एक सहकारी बैंक में आयकर की टीमों ने दस्तक देकर डाटा भी जुटाया था। अब बाकी बैंकों को जानकारी देने के लिए कहा गया है। सूत्रों का कहना है कि खाताधारकों की जानकारी मिलने के बाद आयकर विभाग उनकी स्कैनिंग कर किसी भी संदिग्ध लेनदेन को चिह्नित कर आगे की कार्रवाई करेगा।

जमा-निकासी, एफडी का सही ब्योरा न देने पर प्रबंधकों को थमाए नोटिस

एआई के माध्यम से चिन्हित किए जाएंगे खाते

खाताधारकों की जानकारी मांगी गई

डीएम व एसएसपी की दो टूक

नहीं होगी किसी निर्दोष की गिरफ्तारी

छाता में शांति बनाए रखने के लिए डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार लोगों की बैठक को संबोधित करते हुए।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम व एसएसपी ने दो दिन पहले चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत की घटना को लेकर छाता क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक की। सभी से अपील की कि वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर युवाओं को संतुष्ट करें और सही जानकारी दे। इसके साथ ही किसी भी प्रकार से बाहरी लोगों के बहकावे में न आए। प्रशासन सभी के साथ है। डीएम सीपी सिंह ने कहा कि छाता में हुए बलवा में शामिल व्यक्तियों पर ही कार्रवाई की जा रही है, जो लोग घटना में शामिल नहीं है उनके खिलाफ कार्रवाही नहीं की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभा में लोगों को आश्वस्त किया कि किसी भी निर्दोष को जेल नहीं भेजा जाएगा और ना ही किसी भी प्रकार से लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रशासन उनके साथ है। सभी लोग क्षेत्र में शांति बनाए रखें। किसान सभा ने जिलाधिकारी को नौ सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन भी दिया। इस पर डीएम ने कहा कि सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की धारणाएं व पोस्ट चल रही है। सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं। ब्रज में किसी भी तरह से कोई भी अप्रिय घटना नहीं होगी। उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों से अपील की है कि वह अपने माध्यम से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखें और प्रशासन का भी सहयोग करें। इसके साथ ही डीएम ने किसानों से अपील की कि वह गेहूं की कटाई के दौरान निकलने वाली पराली को न जलाएं।

पराली को या तो दान कर दें या अपने क्षेत्र में खंड विकास अधिकारी से संपर्क कर किसान सीधा प्रशासन को बेच सकते हैं। इस मौके पर कोसीकलां नगर पालिका अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, छाता नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि फाल्गुन ठाकुर, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिगंबर सिंह तथा क्षेत्र के ग्राम प्रधान बीडीसी सदस्यों आदि उपस्थित थे। सुरक्षा के मददेनजरतहसील परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात दिखाई दिया।

समाधान दिवस में लोगों से शांति बनाए रखने का आह्वान

किसी भी निर्दोष का नहीं होने दिया जाएगा उत्पीड़न

आपदा

युद्ध से चूल्हे पर आ रहा है संकट

घरेलू एलपीजी सिलेंडर में दस किलोग्राम गैस का प्लान

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आने वाले दिनों में आपको 14.2 किलोग्राम गैस वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर में महज 10 किलोग्राम गैस ही मिल सकती है। देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां ईरान युद्ध के कारण सप्लाई बाधित होने और देश में एलपीजी भंडार तेजी से घटने के बीच यह कदम उठाने की तैयारी कर रही हैं।

खबर के मुताबिक, कंपनियों की इस प्लानिंग के तहत 14.2 किलो के सिलेंडर में सिर्फ 10 किलो गैस भरकर सप्लाई की जा सकती है, ताकि सीमित स्टॉक को ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह कदम मौजूदा संकट से निपटने के लिए जरूरी हो सकता है। खबर के मुताबिक, कंपनियों का आंकलन है कि जहां 14.2 किलो का सिलेंडर एक औसत परिवार में 35-40 दिन चलता है, वहीं 10 किलो गैस भी करीब एक महीने तक जरूरत पूरी कर सकती है। इससे उपलब्ध गैस को अधिक घरों में बांटा जा सकेगा।

अगर इस योजना पर अमल किया जाता है, तो सिलेंडरों पर नए स्टिकर लगाए जाएंगे, जिनमें कम मात्रा की स्पष्ट जानकारी होगी। साथ ही, उपभोक्ताओं को कीमत में भी आनुपातिक राहत दी जाएगी। हालांकि, इसके लिए बॉटलिंग प्लांट्स में तकनीकी बदलाव और नियामकीय मंजूरियां लेना जरूरी होगा। एलपीजी की उपलब्धता पहले ही दबाव में है। खाड़ी देशों से नई खेप नहीं पहुंच रही है और पिछले सप्ताह केवल दो जहाज-करीब 92,700 टन एलपीजी लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर पाए, जो देश की सिर्फ एक दिन की खपत के बराबर है। वहीं, कमर्शियल उपभोक्ताओं को आंशिक रूप से सप्लाई बहाल करने से भी दबाव और बढ़ गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने हाल ही में एलपीजी सप्लाई को चिंता जताते हुए कहा कि गैस का संरक्षण जरूरी है। इसके बावजूद उनका कहना है कि उपभोक्ताओं को फिलहाल नियमित सप्लाई दी जा रही है। पहले कमर्शियल सेक्टर की सप्लाई रोकी गई थी, जिसे अब युद्ध-पूर्व स्तर के 40% तक बहाल किया गया है। देश में कुल एलपीजी खपत करीब 93,500 टन प्रतिदिन है, जिसमें से 80,400 टन यानी 86% खपत घरेलू क्षेत्र की है। मार्च के पहले पखवाड़े में कुल खपत में 17% की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि असर अब व्यापक स्तर पर दिखाई दे रहा है।

बता दें, भारत अपनी एलपीजी जरूरत का करीब 60% आयात करता है, जिसमें से ईरान युद्ध से पहले लगभग 90% सप्लाई खाड़ी देशों से आती थी।

योजना लागू होने पर सिलेंडरों पर नए स्टिकर लगेंगे

समाधान दिवस में आई 58 शिकायतें

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील समाधान दिवस में आई 58 शिकायतों में पांच शिकायतों का निस्तारण कर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन हर शिकायत का निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निस्तारण कर रहा है।

जिले में बिजली विभाग की स्मार्ट मीटर लगाने की रफ्तार धीमी

लाखों उपभोक्ता अब भी पुराने मीटर पर निर्भर

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने की योजना अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पूरे जनपद में घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर फैक्ट्रियों और सरकारी कार्यालयों तक लगभग 5 लाख 36 हजार मीटर लगे हुए हैं। इनमें से करीब 4 लाख 59 हजार 882 मीटर अभी भी पारंपरिक हैं, जबकि केवल लगभग 1 लाख 26 हजार स्मार्ट मीटर ही लगाए जा सके हैं। ऐसे में स्मार्ट मीटरों की संख्या मीटरों के मुकाबले काफी कम दिखाई दे रही है। सूत्रों के अनुसार स्मार्ट मीटर लगाने की गति धीमी चल रहीं है। एक ओर विभागीय स्तर पर कार्य में अपेक्षित तेजी नहीं दिख रही है, तो दूसरी ओर कई उपभोक्ता भी स्मार्ट मीटर लगवाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। बिजली विभाग की यह महत्वाकांक्षी योजना उपभोक्ताओं को सटीक बिलिंग, पारदर्शिता और बेहतर विद्युत प्रबंधन की सुविधा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इससे ऐसा लग रहा है कि योजना को जमीन पर पूरी तरह लागू करने के लिए अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। मिली जानकारी के अनुसार उपभोक्ता स्मार्ट मीटर को लेकर भय में चल रहा है कहीं ज्यादा बिल आएगा। जमीनी तौर पर देखा जाए तो जिले में कहीं लोग चोरी की बिजली तो नहीं चला रहे हैं।

5.36 लाख मीटरों में से करीब 1.26 लाख ही लगे

विभाग की सुस्ती या उपभोक्ताओं की कम रुचि बनी वजह

स्मार्ट मीटर रिचार्ज नहीं तो कट सकती है बिजली

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था लागू होने के बाद उपभोक्ताओं को अब समय पर रिचार्ज करना जरूरी हो गया है, वरना बिजली कटने की संभावना भी बढ़ सकती है। हाल ही में कई क्षेत्रों में पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत और बैलेंस पर लगातार नजर रखनी होगी। बिजली विभाग की ओर से जारी व्यवस्था के अनुसार उपभोक्ता यूपीपीसीएस स्मार्ट ऐप के जरिए आसानी से अपना बैलेंस चेक कर सकते हैं और तुरंत रिचार्ज भी कर सकते हैं। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और ऐप स्टोर दोनों पर उपलब्ध है। लॉगिन करने के लिए उपभोक्ता को कंज्यूमर आईडी या रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर की जरूरत होती है। ऐप के माध्यम से डेली, वीकली और मंथली खपत का ग्राफ भी देखा जा सकता है। विभाग का कहना है कि यह प्रणाली पारदर्शिता बढ़ाने और उपभोक्ताओं को वास्तविक समय में बिजली उपयोग की जानकारी देने के लिए शुरू की गई है।

ऐसे करें बैलेंस चेक और रिचार्ज

तापमान / मौसम

31 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

18 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,45,000

22 कैरेट 1,33,400

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,30,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

सुबह बारिश ने बढ़ाई लोगों की टेंशन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार की सुबह मौसम फिर से बदल गया। आसमान में छाए काले बादलों के बीच भगवान भास्कर छिप गए। मौसम में ठंडा पन महसूस होने लगा। जिले कई के इलाकों में कहीं हल्की और कहीं अधिक बारिश होने की खबर मिली है। जरूरी काम से घरों से बाहर निकले लोगों ने बारिश में भीगने से बचने के लिए छतरियों का सहारा लिया। मंदिरों में दर्शन करने के लिए जाने वाले श्रद्धालु भीगते हुए पहुंचे। रास्ते में कई जगह कीचड़ सी हो गई। कीचड़ में लोगों को कपड़े भी खराब हो गए। बारिश को लेकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीर दिखाई देने लगी है। वजह खेतों में कटी पड़ी फसल बारिश के कारण गीली हो गई है। अब उसे सुखने में काफी समय लगेगा। आशंका यह भी है कि वह फसल खराब भी हो सकती है।

बारिश से बचने के लिए छाता लगाकर चलती महिलाएं।

यूपी बोर्ड कॉपी जांच के लिए तय होता है मानदेय

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए शासन द्वारा परीक्षकों का मानदेय निर्धारित है। जानकारी के अनुसार, दोनों कक्षाओं की कॉपियों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं, जिसके अनुसार परीक्षकों को भुगतान किया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार हाईस्कूल की एक कॉपी जांचने पर परीक्षक को 14 रुपये प्रति कॉपी दिए जाते हैं।

वहीं, इंटरमीडिएट की कॉपी जांचने पर 16 रुपये प्रति कॉपी के हिसाब से मानदेय मिलता है। यह भुगतान कॉपियों की संख्या के आधार पर किया जाता है, यानी जितनी अधिक कॉपियां जांची जाएंगी, उतना ही अधिक भुगतान परीक्षक को मिलेगा।

बोर्ड परीक्षाओं के बाद मूल्यांकन कार्य तेजी से पूरा कराने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों को परीक्षक के रूप में लगाया गए है। मूल्यांकन केंद्रों पर तय समय सीमा के भीतर कॉपियों की जांच पूरी करने का आदेश दिया जाता है, ताकि समय से परीक्षा परिणाम घोषित किए जा सकें।

शिक्षकों का कहना है कि कॉपियों की जांच एक जिम्मेदारी भरा कार्य होता है, जिसमें काफी समय और ध्यान देना पड़ता है।

हाईस्कूल कॉपी पर 14 रुपये, इंटरमीडिएट पर 16 रुपये प्रति कॉपी मिलते हैं परीक्षकों को

ट्रम्प का दावा— पांच दिन में ईरान से डील संभव तेहरान ने किया खंडन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान जल्द समझौते के लिए तैयार है और पांच दिन के भीतर डील संभव है। उन्होंने कहा कि हालिया बातचीत के चलते ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टाले गए हैं। हालांकि तेहरान ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि ट्रम्प तेल कीमतों को प्रभावित करने के लिए भ्रामक बयान दे रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिका के साथ कोई ताजा बातचीत नहीं हुई है।

इस बीच इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका हमले जारी रखेगा। हालिया घटनाओं में हवाई हमले और मिसाइल हमलों ने क्षेत्र की स्थिति और अधिक संवेदनशील बना दी है।

मंदिरों की संपत्ति से समाज सेवा का बड़ा विस्तार

आस्था के साथ सेवा में जुटे देश के मंदिर

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारत के प्रसिद्ध मंदिर केवल श्रद्धा के केंद्र ही नहीं, बल्कि समाज सेवा के बड़े स्तंभ भी बन चुके हैं। देश के कई प्रमुख मंदिर अपनी अपार संपत्ति का उपयोग जनकल्याण के कार्यों में कर रहे हैं, जिससे लाखों लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। अब इस सूची में धार्मिक नगरी मथुरा भी तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रही है। आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर देश का सबसे समृद्ध मंदिर माना जाता है। यहां का प्रबंधन करने वाला तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड हर वर्ष स्वास्थ्य और शिक्षा पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च करता है।

श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जैसे अस्पतालों में हजारों मरीजों का मुफ्त इलाज होता है, वहीं 30 से अधिक शिक्षण संस्थानों में गरीब छात्रों को शिक्षा दी जाती है। केरल का पद्मनाभस्वामी मंदिर अपने विशाल स्वर्ण भंडार के लिए प्रसिद्ध है। यहां दान में मिलने वाली राशि से गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाती है, साथ ही पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों को भी संरक्षित किया जाता है। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर पुरी में दुनिया की सबसे बड़ी पारंपरिक रसोई चलती है, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों को भोजन कराया जाता है।

इसके अलावा यहां सेवायतों के परिवारों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। जम्मू-कश्मीर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर का श्राइन बोर्ड तीर्थयात्रियों के लिए बीमा सुविधा, अस्पताल और शिक्षा संस्थान संचालित करता है। प्राकृतिक आपदाओं में प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता भी दी जाती है। महाराष्ट्र के शिर्डी साईं बाबा मंदिर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, मुफ्त भोजन और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने जैसे कई सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। वहीं मथुरा के मंदिर-जैसे श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर भी श्रद्धालुओं के दान से लंगर, धर्मशालाएं, गरीबों की सहायता और धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर यहां हजारों लोगों को भोजन और सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

इन मंदिरों में दान के रूप में मिलने वाले सोने को भी व्यवस्थित तरीके से सरकारी बैंकों में जमा किया जाता है, जिससे मिलने वाले ब्याज का उपयोग जनसेवा में किया जाता है। स्पष्ट है कि भारत के ये मंदिर केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभर रहे हैं-जहां भक्ति के साथ सेवा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

दान की दौलत से बदल रहे लाखों लोगों के जीवन

सोगरिया-मथुरा सुपरफास्ट ट्रेन का शेड्यूल आया

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ट्रेन संख्या 02921 सोगरिया-मथुरा सुपरफास्ट विशेष ट्रेन हर गुरुवार एवं रविवार को सोगरिया से प्रस्थान कर सुबह 8.30 बजे रवाना होगी। मार्ग में 9.28 बजे इंदरगढ़, 10 बजे सवाई माधोपुर, 10.45 बजे गंगापुर सिटी, 11.13 बजे श्रीमहावीरजी, 11.28 बजे हिंडौन सिटी, 11.48 बजे बयाना जंक्शन एवं 12.18 बजे भरतपुर जंक्शन होकर दोपहर 2.05 बजे मथुरा पहुंचेगी। इस ट्रेन को मथुरा से यह रहेगा शेड्यूल होगा। वहीं, ट्रेन संख्या 02922 मथुरा-सोगरिया सुपरफास्ट विशेष ट्रेन प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को मथुरा से शाम 5.10 बजे प्रस्थान कर मार्ग में 5.38 बजे भरतपुर जंक्शन, 6.08 बजे बयाना जंक्शन, 6.33 बजे हिंडौन सिटी, 6.45 बजे श्रीमहावीरजी, 7.13 बजे गंगापुर सिटी, 7.58 बजे सवाई माधोपुर एवं 8.28 बजे इंदरगढ़ होकर रात 8.50 बजे सोगरिया पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन में 4 सामान्य श्रेणी, 7 शयनयान, 5 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनामी एवं 1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी सहित कुल 22 डिब्बे होंगे।

हर गुरुवार एवं रविवार को सोगरिया से मथुरा को प्रस्थान करेगी

वेबसाइट पर राज्य सूचना आयोग की 'गायब' रिपोर्ट!

फरवरी की प्रगति पर पर्दा, मार्च के अंत तक भी 'नो रिकॉर्ड फाउण्ड'

पारदर्शिता का पहरेदार ही कटघरे में

क्या छिपाए जा रहे हैं लंबित मामलों के आंकड़े?

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/लखनऊ । पारदर्शिता और जवाबदेही का दावा करने वाला राज्य सूचना आयोग इस समय खुद ही सवालों के घेरे में है। फरवरी 2026 की मासिक प्रगति रिपोर्ट 23 मार्च तक भी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड नहीं की गई। वेबसाइट पर दिखाई दे रहा "नो रिकॉर्ड फाउण्ड" का संदेश अब महज तकनीकी खामी नहीं, बल्कि व्यवस्था की गंभीर चूक और संभावित पर्दादारी का संकेत माना जा रहा है। विडंबना यह है कि यही आयोग सरकारी विभागों को 30 दिनों के भीतर सूचना उपलब्ध कराने का आदेश देता है, लेकिन खुद अपनी ही कार्यप्रणाली का लेखा-जोखा सार्वजनिक करने में नाकाम नजर आ रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है-क्या सूचना का अधिकार केवल जनता और विभागों तक सीमित है? क्या आयोग खुद इस जवाबदेही से ऊपर हो गया है?

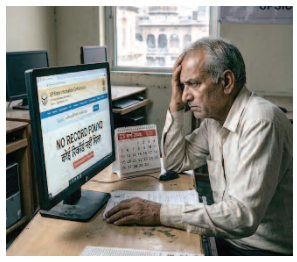

आयोग से संपर्क पर टालमटोल

राज्य सूचना आयोग से इस संबंध में संपर्क करने का प्रयास किया गया। मुख्य सूचना आयुक्त के पीएस ने फोन पर कार्यालय आकर बात करने को कहा, जबकि रजिस्ट्रार संदीप गुप्ता से संपर्क नहीं हो सका और उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

आयोग की देरी पर उठे सवाल

क्या रिपोर्ट इसलिए रोकी जा रही है क्योंकि आंकड़े असहज करने वाले हैं, या फिर लंबित मामलों का बढ़ता ग्राफ छिपाने की कोशिश हो रही है? यह सवाल अब गंभीर चर्चा का विषय बन गया है। एक तरफ सूचना आयोग दूसरों से स्पष्ट निर्देश देता है कि 30 दिन के भीतर सूचना उपलब्ध कराई जाए, वहीं खुद उसी समय सीमा का पालन करने में असफल दिखाई दे रहा है।आयोग की ओर से रिपोर्ट समय पर जारी न होने से पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। सूचना अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह केवल साधारण देरी नहीं, बल्कि व्यवस्था की लापरवाही और जवाबदेही से बचने का संकेत हो सकता है। यदि आयोग स्वयं ही पारदर्शिता के मानकों को नहीं निभाएगा, तो अन्य विभागों से अपेक्षा करना भी कठिन हो जाएगा। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आयोग जल्द अपनी लंबित रिपोर्ट सार्वजनिक करेगा या फिर "नो रिकॉर्ड फाउंड" जैसी स्थिति ही नई कार्य संस्कृति बन जाएगी।

क्या होती है मासिक प्रगति रिपोर्ट ?

मासिक प्रगति रिपोर्ट किसी भी आयोग के कार्य निष्पादन का वास्तविक आईना मानी जाती है। इसमें सुनवाई कक्षवार विस्तृत आंकड़े दर्ज होते हैं, जो बताते हैं कि आयोग किस स्तर पर कार्य कर रहा है। इन आंकड़ों में महीने की शुरुआत में लंबित मामलों की संख्या, नए दर्ज मामलों की स्थिति, पुनः खोले गए या स्थानांतरित मामलों का विवरण शामिल होता है।इसके साथ ही निस्तारित मामलों की संख्या, अन्य कक्षों में भेजे गए प्रकरण तथा महीने के अंत में शेष लंबित मामलों का पूरा लेखा-जोखा भी दर्ज किया जाता है। शिकायत, अपील और अन्य श्रेणियों का अलग-अलग ब्योरा भी इसी रिपोर्ट का हिस्सा होता है।इन्हीं आंकड़ों के आधार पर यह आकलन होता है कि आयोग मामलों के बोझ को घटा रहा है या केवल तारीखें बढ़ रही हैं। लेकिन जब यही रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होती, तो पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

लघुशंका के दौरान युवक गिरा

राम कृष्ण मिशन हॉस्पिटल में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के ग्राम पानीगांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक को हॉस्पिटल ले जाया गया था। जालौन का रहने वाला युवक ब्रह्म प्रकाश मथुरा में कई सालों से यहां आकर परिवार के साथ रहने लगा। बताया गया कि उसने पानीगांव में अपना मकान बना रखा था। ब्रह्म प्रकाश ई-रिक्शा चालाता है। उसने अपने चचेरे भाई नीरज (22) पुत्र रामप्रकाश को भी अपने पास रख रखा था। नीरज भी यहां ई-रिक्शा चलाता था। ब्रह्मप्रकाश का कहना है कि बीती रात करीब साढ़े बारह बजे नीरज घर में लघुशंका के लिए गया था। इसके बाद उसके गिरने की आवाज आई तो उसने देखा नीरज वहां गिरा पड़ा था। उसकी हालत को देख कर रात में ही उसे रामकृष्ण हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल में एडमिट करने के बाद उसकी मृत्यु हो गई। नीरज के परिवार के लोगों को भी जानकारी दी गई। पुलिस ने नीरज के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की अचानक इस तरह हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

अलवर पुल पर कारों के मामूली टकराने पर हुआ था विवाद

छात्रों ने कार को रुकवा कर एक युवक को चाकू मारा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अलवर पुल के समीप कार से कार के मामूली टकरा जाने पर विवाद हो गया। जैंत थाने के आगे एक ढाबे पर झगड़ा करके कार से भागे छात्रों ने पीछे आती कार को रोक कर मारपीट की। छात्रों ने एक युवक को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल का एक निजी अस्पातल में इलाज चल रहा है। पुलिस तीनों छात्रों को हिरासत में लकर पूछताछ कर रही है।

घायल को अस्पताल ले जाते हुए।

बताया गया कि बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के पास रहने वाले ललित मोहन भारद्वाज अपने भाई हरिदास भारद्वाज, भतीजे अंश और वंश के साथ अपने पैतृक गांव नौहझील के लिए अर्टिगा कार से जा रहे थे। सोमवार की प्रातः अलवर पुल पर दूसरी कार में सवार स्टूडेंटों की कार के साथ हलकी सी भिड़ गई। इस पर दूसरी कार में सवार युवकों ने इन्हें गाली गलौज दी और वहां से कार को भगा ले गए। कार सवार स्टूडेंटों ने जैंत थाने से आगे बाबा दा ढाबे पर कार को रोक लिया। इसके बाद ललित मोहन भारद्वाज की कार वहां पहुंची। स्टूडेंटो ने कार को रोक लिया। कार से उतरे हरिदास भारद्वाज ने एक स्टूडेंट को घूंसा मार दिया। वहां हुए झगड़े में ललित मोहन भारद्वाज को पीछे से एक स्टूडेंट ने पीछे से पीठ पर तीन चार चाकू मार दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हरिमोहन भारद्वाज घायल भाई को लेकर पहले वृंदावन के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने घायल की चिंताजनक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। भाई ने उन्हें किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बताया गया कि घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। घटना करने वाले छात्रों में एक बीटेक का और दो डिप्लोमा के छात्र है। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने तीन छात्रों को लिया हिरासत में

राजगढ़ पुलिस को वृंदावन में पुजारी की तलाश

यूनिक समय, मथुरा। भगवान जगन्नाथ के साथ पुजारी गायब हो गया! एमपी के राजगढ़ जिले में कुछ दबंगों ने इतना प्रताड़ित किया कि पुजारी रात के अंधेरे में भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बलदाऊ की प्रतिमा के साथ गायब हो गया। जानकारी लगने पर महंत ने प्रतिमाएं वापस आने तक अन्न जल का त्याग कर दिया। पुलिस पुजारी की तलाश में वृंदावन पहुंच गई है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

19 आमेलित शिक्षकों को मिलेगी पुरानी पेंशन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत आमेलित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए उनकी पूर्व सेवाओं को जोड़कर पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का शासनादेश जारी किया गया है। इस निर्णय से प्रदेश के 2087 शिक्षकों को लाभ मिलेगा, जिनमें मथुरा जनपद के 19 शिक्षक भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री एवं आमेलित शिक्षक जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि वर्ष 2000 से 2003 के बीच 2330 विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति मंडलीय समिति के माध्यम से की गई थी। वर्ष 2003 में उच्च न्यायालय ने इन शिक्षकों के विनियमन का आदेश दिया, हालांकि यह प्रक्रिया वर्ष 2006 में पूरी हुई, जिसमें 2087 शिक्षकों को आमेलन का लाभ मिला। इस बीच वर्ष 2005 में नई पेंशन योजना लागू हो जाने से ये शिक्षक पुरानी पेंशन से वंचित रह गए थे। बीते लगभग 18 वर्षों से आमेलित शिक्षक पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्ष कर रहे थे।

मंदिर मार्ग पर वाहनों का अतिक्रमण

सोमवार दोपहर पथवारी मंदिर परिसर में खड़े निजी वाहन।

शिकायतों पर फेरा जा रहा पानी

यूनिक समय, फरह। पथवारी मंदिर परिसर में खड़े होने वाले वाहनों को हटवाने के लिए लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार पानी फेरने में लगे हुए हैं। पूर्व में आईआरएस पर दर्ज कराई शिकायत का फर्जी निस्तारण हो गया। न कोई वाहन हटाया गया और न अतिक्रमण खिसकाया गया, शिकायत का भी फर्जी निस्तारण कर दिया गया। अब फिर आईजीआरएस पर इसी समस्या को लेकर नई शिकायत दर्ज कराई गई है।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। इन दिनों चैत्र नवरात्र चल रहे हैं। भोर से ही महिलाओं का देवी मंदिरों में पूजा–अर्चना को आना–जाना शुरू हो जाता है। ऐसे में पथवारी मंदिर में पूजा को आने वाली महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इस परिसर में अब तो दिन में ही काफी संख्या में निजी और व्यावसायिक वाहन खड़े रहते हैं, जबकि कई दुकानदारों ने तख्त डालकर रास्ता अवरुद्ध कर रखा है।

नवरात्र में भी काफी संख्या में दिन में भी खड़े रहते हैं निजी और व्यावसायिक वाहन

पथवारी मंदिर में पूजा को आने वाली महिलाओं को करना पड़ता है परेशानी का सामना

नवरात्र के दिनों में कस्बा का प्रमुख पथवारी मंदिर महिलाओं के लिए श्रद्धा का बड़ा केंद्र होता है, यहां सुबह से ही महिलाओं की अपार भीड़ उमड़ती है, लेकिन इन दिनों श्रद्धालु महिलाएं पूजा के दौरान आने के समय परेशान रहती हैं। मंदिर के गेट और परिसर में चारों तरफ निजी और व्यावसायिक वाहन खड़े रहते हैं।

कुछ तो दबंगई में अपना वाहन खड़ा करते हैं, जबकि कुछ स्थानीय होने का फायदा उठाते हैं। साधन–संपन्न लोग तो गैराज होने के बावजूद पथवारी मंदिर परिसर में वाहन खड़ा करने को अपना जन्म सिद्ध अधिकार मानने लगे हैं। यही समस्या पूजा को आने वाली महिलाओं के लिए परेशानी की वजह बन रही है।

प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि नगर पंचायत को अतिक्रमण हटाने के लिए पहल करनी चाहिए। सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स तैयार है।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी शिव कुमार कहना है कि हमारे पास में मजिस्ट्रेटी अधिकार नहीं है, अतिक्रमण कैसे हटाएं। अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया समेत क्रांतिकारी शहीदों को नमन

डॉ. राम मनोहर लोहिया को पुष्पांजलि अर्पित करते सपा के कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। सौंख रोड स्थित कैंप कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें नमन किया। देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के 'शहीद दिवस' पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। वक्ताओं ने डॉ. लोहिया के 'सप्त क्रांति' के आदर्शों और क्रांतिकारियों के राष्ट्रप्रेम को याद किया। सपा के प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया के विचार आज भी सामाजिक समानता और जातिगत भेदभाव को मिटाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने हमेशा शोषितों और वंचितों की आवाज बुलंद की। सपा नेता अनिल अग्रवाल ने कहा शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का साहस हर भारतीय के लिए ऊर्जा का स्रोत है। हमें उनके सपनों के भारत को बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर मुन्ना मलिक पार्षद, बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव पवन चौधरी, लोहिया वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रवि दिवाकर, राजू यादव, साहिल अग्रवाल, लवकुश चौधरी, सचिन यादव, नरेंद्र ठाकुर, गजेन्द्र चौधरी तथा बल्लू आदि उपस्थित थे।

मथुरा में कल निकाली जाएगी यमुना महारानी की शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण–जन्मस्थान सेवा–संस्थान के तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर स्थित श्री केशवदेव मंदिर से (यमुना षष्ठी) 24 मार्च को श्रीयमुना महारानी के पूजन को शोभायात्रा निकाली जायेगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि चैत्र शुक्ल षष्टी (यमुना छठ) को श्री यमुना जी का प्राकट्य हुआ था। श्रीयमुनाजी का यह पवित्र प्राकट्य दिवस इस वर्ष 24 मार्च को संस्थान द्वारा मंगल कलश शोभायात्रा के साथ श्री यमुना जी का पूजन–अर्चन कर मनाया जायेगा। कलश–यात्रा आयोजन का उद्देश्य श्री यमुनाजी के पूजन / दुग्धाभिषेक के साथ–साथ यमुनाजी का स्वरूप प्रदूषण मुक्त होकर 'अविरल यमुना–निर्मल यमुना' के संकल्प के साथ होगा। इस अवसर पर श्रीकृष्ण–जन्मस्थान प्रांगण में स्थित श्री केशवदेव मंदिर से मंगल कलश शोभायात्रा प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ होकर डीग गेट, मण्डी रामदास, चौक बाजार, स्वामी घाट होते हुये विश्राम घाट तक जायेगी। विश्राम घाट पर श्री यमुना महारानी का शास्त्रोक्त विधि से पूजन कर दुग्धाभिषेक किया जायेगा, तदोपरान्त सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण होगा। इस मंगल कलश शोभायात्रा में लगभग 251 कलश एवं पूजन सामग्री लिये मांगलिक परिधानों में महिलायें, झांकी, वातावरण को भक्तिमय करने हेतु सन्त–वैष्णवजन की उद्दाम संकीर्तन करते विभिन्न कीर्तन मण्डली, श्रीकृष्ण संकीर्तन मण्डल के रसिक भक्तजन तथा भक्तिमय भजन गायन करते हुए बैण्डबाजों के साथ अनेक श्रद्धालु भक्तगण रहेंगे।

प्रेम सिंह को शहीद का दर्जा मिलने पर निकाली तिरंगा यात्रा

अग्निवीर प्रेम सिंह को शहीद का दर्जा मिलने पर निकाली तिरंगा यात्रा में शामिल परिवारिजन और ग्रामीण।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। उत्तराखंड में अग्निवीर के बलिदान होने पर कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। राया थाना क्षेत्र के गांव नगला हर्राय निवासी अग्निवीर प्रेम सिंह को दो साल बाद शहीद का दर्जा मिलने पर ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा निकाली। बताते चले प्रेम सिंह वर्ष 2024 में आगरा से अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में शामिल हुए थे और राजपूताना राइफल्स की 14वीं बटालियन में तैनात थे। 5 जून को प्रशिक्षण के बाद वह घर आए थे। इसके बाद 19 जून को उन्हें उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली–हर्षिल क्षेत्र में तैनात किया गया। इसी दौरान क्षेत्र में बादल फटने की घटना के दौरान सेना द्वारा राहत और बचाव कार्य के दौरान अचानक आई तेज पानी की धारा और मलबे की चपेट में आकर कई जवान बह गए। जिनमें अग्निवीर प्रेम सिंह भी शामिल थे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नही लगा। दो वर्ष बाद उन्हें शहीद का दर्जा मिलने पर सेना के जवान प्रेमसिंह के गांव नगला हर्राय पहुंचकर उनके माता पिता भगवान देवी एवं जगदीश को तिरंगा देकर राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। वही ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा निकालकर शहीद अग्निवीर के बलिदान को श्रद्धा सुमन अर्पित की।

खाटू श्याम बाबा मंदिर का जीर्णोद्धार वार्षिकोत्सव 27 को मनेगा

यूनिक समय, वृंदावन। चैत्र माह की नवमी को श्री खाटू श्याम मंदिर के जीर्णोद्धार वार्षिकोत्सव भजन गायक नंदकिशोर शर्मा नंदू भैया जी के सानिध्य में मनाया जाएगा। 27 मार्च को बड़े धूमधाम से यह उत्सव बाबा श्याम के श्री चरणों में मनाया जाएगा। मध्यान्ह 11.30 बजे श्री राघवेंद्र सरकार का महा अभिषेक, बाबा श्याम का फूल बंगला, सायं 5:30 बजे से बाबा की ध्वजा निशान यात्रा, सायं 6:30 बजे बाबा के नवनिर्मित चांदी के द्वार का देहली पूजन सभी श्याम प्रेमियों द्वारा किया जाएगा। कोलकाता से आए भजन सम्राट संजय मित्तल, बरेली से राहुल जौहरी, जयपुर से राजेश अटेलिया और अन्य भजन प्रवाहक बाबा श्याम को अपने–अपने भजनों से रिझाएंगे। यह जानकारी सेवायत राजेश पारीक ने दी।

स्कूलों में शहीद दिवस पर क्रांतिकारियों को किया याद

शहीद दिवस मनाते आईओपी कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षक।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी महाविद्यालय में शहीद दिवस पर क्रांतिकारी स्वतन्त्रता सेनानी भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने एन.सी.सी. कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को बताया कि भारत की आजादी की लड़ाई को इतिहास में 23 मार्च का दिन बहादुरी और शहादत के लिए जाना जाता है। वर्ष 1931 में इसी दिन भारत माता के 3 वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु ने देश की खातिर हंसते–हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। उनके इस बलिदान ने न केवल सोए हुए देश को जगाया, बल्कि युवाओं के दिल में देशभक्ति की मशाल जलाई। प्राचार्या प्रो. पी.के. सारस्वत ने बताया कि इन क्रांतिकारियों की निस्वार्थ कुर्बानी हमें याद दिलाती है कि इस आजादी को प्राप्त करने के लिए हमने कितनी बड़ी कीमत चुकाई है।

उक्त अवसर पर प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, डॉ. वीरेन्द्र कुमार, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. निधि सिंह, सुनीत शुक्ला, डॉ. अनुज कुमार, श्रीमती मृदुला पाण्डेय तथा धर्मेन्द्र कुमार उपस्थित थे।

शहीद दिवस पर मनाया बलिदान दिवस

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को किया नमन

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा सहित आज देशभर में शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। 23 मार्च 1931 को महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने देश की आजादी के लिए हंसते–हंसते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इस दिन को उनकी वीरता, त्याग और देशभक्ति की अमर गाथा के रूप में याद किया जाता है।

मथुरा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आज सुबह से ही श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकारी संस्थानों, विद्यालयों और सामाजिक संगठनों द्वारा शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कई स्थानों पर देशभक्ति गीतों और विचार गोष्ठियों के माध्यम से युवाओं को शहीदों के आदर्शों से प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने जिस साहस और निडरता के साथ ब्रिटिश हुकूमत का सामना किया, वह आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मात्र 23 वर्ष की आयु में भगत सिंह ने यह साबित कर दिया कि देशप्रेम उम्र का मोहताज नहीं होता, बल्कि यह जुनून और संकल्प की मांग करता है। आज के दिन यह सवाल भी उठता है कि क्या हम शहीदों के सपनों का भारत बना पाए हैं? क्या उनके बलिदान का सही सम्मान हम अपने कर्तव्यों का पालन करके कर रहे हैं? शहीद दिवस केवल श्रद्धांजलि देने का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। मथुरा सहित पूरे देश में लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को याद किया। सोशल मीडिया पर भी श्रद्धांजलि संदेशों की भरमार रही। शहीदों की कुर्बानी हमें यह संदेश देती है कि देश सर्वोपरि है। उनका बलिदान हमेशा हमें प्रेरित करता रहेगा कि हम राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

केडी हॉस्पिटल में लिवर जांच शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में सोमवार को आयोजित निःशुल्क लिवर फाइब्रोस्कैन शिविर में 300 से अधिक मरीजों ने लाभ उठाया। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद जुबेर की देखरेख में आयोजित इस शिविर में मरीजों की फाइब्रोस्कैन जांच के साथ लिवर फंक्शन टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल तथा हेपेटाइटिस बी और सी वायरस की जांच की गई। साथ ही मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय और आहार संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। सुबह से ही शिविर में मरीजों की लंबी कतार देखने को मिली।

मरीजों की रिपोर्ट की जांच करते और परामर्श देते गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद जुबेर।

300 से अधिक मरीजों की लिवर फाइब्रोस्कैन जांच हुई

विशेषज्ञ की सलाह– लिवर की समस्या को हल्के में न लें

डॉ. जुबेर ने बताया कि शिविर में फैटी लिवर, अल्कोहलिक लिवर, फाइब्रोसिस, सिरोसिस तथा हेपेटाइटिस बी व सी जैसी बीमारियों की जांच की गई। इसके अलावा मरीजों को एक्स–रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने बताया कि भारत में लिवर संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार लगभग 32 प्रतिशत आबादी इससे प्रभावित है।

एनएएफएलडी (गैर–अल्कोहल फैटी लीवर रोग) इसका प्रमुख कारण है, जो खराब जीवनशैली, अनियमित खानपान और व्यायाम की कमी से जुड़ा है। डॉ. जुबेर ने चेतावनी दी कि लिवर की समस्या को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि देर होने पर यह फाइब्रोसिस और सिरोसिस जैसी गंभीर स्थिति में बदल सकती है। उन्होंने समय–समय पर जांच कराने की सलाह दी। शिविर की सफलता में चिकित्सा टीम का अहम योगदान रहा। चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

आरटीई के तहत 25% सीटों पर प्रवेश 25 मार्च तक होंगे

बीएसए का निजी स्कूलों को निर्देश लापरवाही पर होगी कार्रवाई

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले के निजी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत 25 प्रतिशत सीटों पर बच्चों के प्रवेश को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने सभी निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि चयनित बच्चों का प्रवेश 25 मार्च तक हर हाल में पूरा करने पर जोर दिया है। कहा कि आरटीई के तहत गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई का अधिकार दिया गया है। इसलिए किसी भी स्कूल को प्रवेश देने में देरी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई स्कूल नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से पहले ही बच्चों का चयन कर उनकी सूची स्कूलों को भेज दी गई है। अब स्कूलों की जिम्मेदारी है कि वे समय पर बच्चों का दाखिला लें। जिन स्कूलों में अभी तक प्रवेश नहीं हुआ है, वे तुरंत प्रक्रिया पूरी करें। बीएसए ने अभिभावकों से भी कहा है, कि जिन बच्चों का चयन हुआ है, वे जरूरी कागजात लेकर समय पर स्कूल पहुंचें और प्रवेश कराएं। जिले में आरटीई के तहत हो रहे इन प्रवेशों से गरीब बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ने का मौका मिलेगा। इससे उनकी पढ़ाई बेहतर होगी और उनका भविष्य भी मजबूत बनेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने–अपने क्षेत्र में स्कूलों पर नजर रखें और सभी नियमों का सही तरीके से होना चाहिए।

रतन कीर्ति

इजराइल, अमेरिका–ईरान तनाव का भारत पर पड़ेगा दीर्घकालिक प्रभाव

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। जन सांस्कृतिक मंच द्वारा "इजराइल–अमेरिका–ईरान युद्ध का भारत पर प्रभाव" विषय पर आयोजित परिचर्चा में अंतरराष्ट्रीय मामलों के पत्रकार डॉ. प्रकाश के. रे ने कहा कि मौजूदा वैश्विक तनाव का भारत पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका–ईरान संबंधों को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक कारणों को जानना जरूरी है और कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। डॉ. रे ने कहा कि दुनिया इस समय संक्रमण काल से गुजर रही है और आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक व राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलेंगे। उन्होंने चीन की बढ़ती आर्थिक ताकत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को उत्पादन और वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मंच अध्यक्ष राजकिशोर अग्रवाल ने युद्ध के दुष्परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए शांति का संदेश दिया। अध्यक्षता कर रहे एडवोकेट गौरव अग्रवाल ने कहा कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसका असर पूरी दुनिया के साथ भारत पर भी पड़ेगा। इस अवसर पर डॉ. आर.के. चतुर्वेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. मिणाल, सुनील आचार्य, डॉ. अशोक बंसल, रवि सरीन, नरेश शर्मा, सतीश शर्मा, मनोज गौड़, मुकेश धनगर, सुनील शर्मा, कुलदीप कुलश्रेष्ठ, रमन लाल गुप्ता, डॉ. डी.डी. गर्ग, आशुतोष गर्ग सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रवि प्रकाश भारद्वाज ने किया।

कीर्तन में उपस्थित महिलाएं।

कीर्तन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। मंदिर में मां काली महिला मंडल द्वारा आयोजित मैया का उत्सव एवं भव्य कीर्तन कार्यक्रम बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मां की अत्यंत सुंदर और मनमोहक झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भजनों और कीर्तन की मधुर धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और उपस्थित भक्तगण भक्ति में लीन नजर आए। महिलाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लेते हुए मां के गुणगान किए। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आनंदपुरी कॉलोनी स्थित मंदिर में दर्शन करते भक्त।

नवरात्र में सजाए मंदिरों में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। आप और हम मित्र मंडल के बैनर तले बीएसए कॉलेज स्थित आनन्दपुरी के कॉलोनीवासी द्वितीय नवदुर्गा महोत्सव मना रहे हैं। नवरात्रों में जगह जगह देवी का दरबार सजाया गया।इस मौके पर प्रमोद कुमार, अमरसिंह राजपूत, मीडिया प्रभारी विकास खत्री, सुशील गौतम, आकाश चौरसिया, दिनेश चौधरी, दिनेश कुमार, हरिवंश, लक्की, कोमल फोजी, अनूप सिंह, राधा, विमला देवी एवं नीरु आदि उपस्थित थे।

जोश, जनसैलाब और संगठन की शक्ति

नई कार्यसमिति एवं मनोनीत पार्षदों का स्वागत

भाजपा के जिला कार्यालय पर नए मनोनीत पार्षद एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पुष्पांजलि स्थित भाजपा जिला कार्यालय का सभागार उस समय संगठनात्मक ऊर्जा और उत्साह से सराबोर नजर आया, जब नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का स्वागत एवं कार्यकर्ता परिचयात्मक बैठक हुई। कार्यक्रम ने न केवल संगठन की सक्रियता का परिचय दिया, बल्कि कार्यकर्ताओं की मजबूत एकजुटता का प्रभावशाली संदेश भी दिया। नवनियुक्त पदाधिकारी एवं मनोनीत पार्षदों का फूल–मालाओं से स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के बाद घोषित इस कार्यसमिति में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे संगठन को और अधिक सुदृढ़ करने की उम्मीद जताई जा रही है। महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मनोनीत पार्षदों का विशेष रूप से स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि महानगर अध्यक्ष हरिशंकर सिंह राजू यादव ने सभी पदाधिकारियों का दुपट्टा उड़ाकर स्वागत किया। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है, जिसके बल पर संगठन निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। कहा कि यह जिम्मेदारी केवल पद का सम्मान नहीं, बल्कि संगठन और समाज के प्रति सेवा का अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें और प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका में लाएं।

यमुना प्रदूषण मुक्ति के लिए कल निकलेगी जन–जागरण शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। माथुर चतुर्वेद परिषद के बैनर तले यमुना प्रदूषण मुक्ति को लेकर 24 मार्च को जन जागरण शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन के मुख्य अतिथि परिषद एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक होंगे। परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने शोभायात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिम्मेदारियों को चार प्रमुख सेक्टरों में विभाजित करते हुए विभिन्न समितियों का गठन किया है। प्रातः कालीन यमुना पूजन प्रातः 11:00 बजे होगा। सामूहिक यमुना पूजन की जिम्मेदारी कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी को सौंपी गई है। इसमें मंत्री नीरज चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, मनोज पाठक एवं उपाध्यक्ष संजय एल्पाइन सहयोग करेंगे। शोभा यात्रा में आने वाले अतिथियों एवं धर्माचार्यों के स्वागत की जिम्मेदारी मंत्री नीरज चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, संजय एल्पाइन, अमित पाठक एवं आशीष चतुर्वेदी को दी गई है। सायं 4:00 बजे विश्राम घाट से शुरू होने वाली शोभायात्रा को सुचारू रखने के लिए मार्ग को चार भागों में बांटा गया है, विश्राम घाट प्रारंभिक व्यवस्था शिवकुमार चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी 'एल्पाइन', आशीष चतुर्वेदी , अमित पाठक, अमित चतुर्वेदी एवं अनुज पाठक 'लवर। विश्राम घाट से बंगाली घाट कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मंत्री मनोज पाठक, संजय चतुर्वेदी, सौरभ चतुर्वेदी, गोपाल पाठक, गोपाल भोरे एवं सौरभ, बंगाली घाट से आर्य समाज रोड योगेंद्र चतुर्वेदी, मनोज पाठक, अनिल चतुर्वेदी 'पमपम' एवं नीरज चतुर्वेदी। आर्य समाज रोड से होली गेट, अशोक कुमार चतुर्वेदी, आशीष चतुर्वेदी 'छल्ली', कमल चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी 'एल्पाइन', संजय (मंत्री) एवं मनोज पाठक। होली गेट से वापस विश्राम घाट सौरभ चतुर्वेदी, गोपाल पाठक, गोपाल भोरे, सौरभ , अभिषेक चतुर्वेदी एवं अंगद चतुर्वेदी। शोभायात्रा के समापन पर आरती की जिम्मेदारी मंत्री अमित चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी एवं मंत्री नीरज चतुर्वेदी के साथ राजकुमार कप्पू और पंकज चतुर्वेदी को सौंपी गई है।

माथुर चतुर्वेद परिषद ने जिम्मेदारियों का किया विभाजन

चार सेक्टरों में बनाई गई समितियां

वात, पित्त और कफ दोष : लक्षण, कारण और संतुलन के आसान उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयुर्वेद के अनुसार हमारा शरीर तीन प्रमुख दोषों- वात, पित्त और कफ से मिलकर बना होता है। ये तीनों शरीर के संतुलन और सही कार्यप्रणाली के लिए बेहद जरूरी होते हैं। जब ये संतुलित रहते हैं, तो व्यक्ति स्वस्थ रहता है, लेकिन असंतुलन होने पर कई तरह की बीमारियां जन्म ले सकती हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, गलत खानपान और तनाव के कारण ये दोष जल्दी बिगड़ जाते हैं।

वात दोष शरीर की गति और नर्व सिस्टम को नियंत्रित करता है। इसके बिगड़ने पर त्वचा में रूखापन, जोड़ों में दर्द, गैस, कब्ज और चिंता जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पित्त दोष शरीर की गर्मी और पाचन से जुड़ा होता है। इसके असंतुलन से एसिडिटी, सीने में जलन, ज्यादा पसीना, चिड़चिड़ापन और त्वचा पर रैशेज जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कफ दोष शरीर की मजबूती और इम्यूनिटी को बनाए रखता है। इसके बढ़ने पर शरीर भारी लगना, सुस्ती, वजन बढ़ना और बार-बार सर्दी-जुकाम होना आम लक्षण हैं। वात दोष को संतुलित रखने के लिए गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन लेना चाहिए। तिल के तेल से मालिश करना और ठंडी व सूखी चीजों से बचना फायदेमंद होता है। पित्त दोष को शांत करने के लिए ठंडी तासीर वाले खाद्य पदार्थ जैसे खीरा, नारियल पानी और हरी सब्जियां खाना चाहिए। मसालेदार और तला-भुना भोजन कम करें और पर्याप्त पानी पिएं। कफ दोष को नियंत्रित करने के लिए हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन लें। नियमित व्यायाम करें और शहद व अदरक का सेवन करें। मीठी और ठंडी चीजों से परहेज करना भी जरूरी है। समय पर इन लक्षणों को पहचानकर सही उपाय अपनाने से आप कई बीमारियों से बच सकते हैं और शरीर को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

टीबी से जंग जीतकर विनीश बनीं 'टीबी चैंपियन', अब लोगों को कर रही जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। फरह ब्लॉक निवासी 42 वर्षीय विनीश ने टीबी जैसी गंभीर बीमारी को हराकर एक नई मिसाल पेश की है। वर्ष 2015 में टीबी से संक्रमित होने के बाद उन्होंने आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। सरकारी अस्पताल में छह महीने तक नियमित उपचार और सही समय पर दवा लेने से वह पूरी तरह स्वस्थ हो गईं।

स्वस्थ होने के बाद विनीश ने समाज के लिए काम करने का संकल्प लिया और अब "टीबी चैंपियन" बनकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। वह मरीजों को समय पर जांच, पूरा इलाज और पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में समझाती हैं। निक्षय पोषण योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता और संस्थाओं के सहयोग से उन्हें तेजी से रिकवरी में मदद मिली। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, टीबी का इलाज पूरी तरह संभव है, बशर्ते मरीज दवा बीच में न छोड़े और समय पर जांच कराए।

रोज की थाली को बनाएं लो-कैलोरी, आसान टिप्स अपनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में बढ़ता वजन एक आम समस्या बन गया है और इसे कंट्रोल करने के लिए सबसे जरूरी है अपनी डाइट पर ध्यान देना। लो-कैलोरी डाइट का मतलब भूखा रहना नहीं, बल्कि स्मार्ट तरीके से खाना चुनना और पोर्शन कंट्रोल करना है।

सबसे पहले, खाना बनाते समय तेल का इस्तेमाल कम करें। अक्सर हम स्वाद के लिए ज्यादा तेल डाल देते हैं, जबकि एक चम्मच तेल में करीब 120 कैलोरी होती है। इसलिए तेल को मापकर इस्तेमाल करें, ब्रश या स्प्रे का सहारा लें और नॉन-स्टिक पैन का उपयोग करें। दूसरा, रोटी और चावल को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं है। बस उनकी मात्रा कम करें। उदाहरण के लिए, 2-3 रोटी की जगह 1-2 रोटी के साथ ज्यादा सलाद लें। चावल की मात्रा आधी करें और प्लेट में सब्जियों का हिस्सा बढ़ाएं।

तीसरा, कुकिंग का तरीका बदलें। डीप फ्राई करने की बजाय शैलो फ्राई या एयर फ्रायर का इस्तेमाल करें। इससे स्वाद भी बना रहता है और कैलोरी भी कम होती है। अगर आपकी प्लेट में 50 प्रतिशत सब्जियां, 25 प्रतिशत प्रोटीन और 25 प्रतिशत कार्ब्स हों, तो आप आसानी से लो-कैलोरी डाइट फॉलो कर सकते हैं। इन छोटे बदलावों से कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

दूध की मलाई से दो बार घी निकालने का आसान तरीका

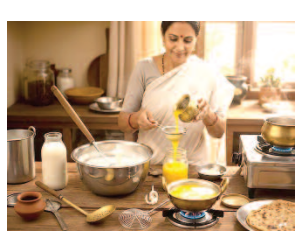

यूनिक समय, नई दिल्ली। घर का बना घी न सिर्फ शुद्ध होता है, बल्कि स्वाद और सेहत के लिए भी बेहतर माना जाता है। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि मलाई से केवल एक बार ही घी निकाला जा सकता है, लेकिन सही तरीके से आप उसी मलाई से दो बार घी प्राप्त कर सकते हैं।

सबसे पहले रोज उबले दूध की मलाई को इकट्ठा करके फ्रिज में स्टोर करें। जब पर्याप्त मात्रा में मलाई जमा हो जाए, तो इसे मिक्सर या मथनी से अच्छी तरह मथ लें। मथने पर मक्खन ऊपर आ जाएगा और नीचे छाछ बच जाएगी। मक्खन को अलग निकालकर धीमी आंच पर गर्म करें। कुछ समय बाद यह पिघलकर शुद्ध घी में बदल जाएगा। इसे छानकर अलग रख लें-यह पहली बार का घी है। अब बची हुई छाछ को फेंकें नहीं। इसे फिर से धीमी आंच पर पकाएं। धीरे-धीरे इसमें मौजूद फैट अलग होने लगेगा और थोड़ी मात्रा में घी फिर से निकल आएगा। इस तरह आप एक ही मलाई से दो बार घी निकाल सकते हैं। यह तरीका न सिर्फ किफायती है, बल्कि दूध का पूरा उपयोग करने में भी मदद करता है।

नवरात्रि के लिए परफेक्ट घरचोला साड़ी: ट्रेडिशनल और स्टाइलिश लुक

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवरात्रि का त्योहार शुरू होते ही हर महिला अपने लुक को लेकर एक्साइटेड रहती है। अगर आप भी इस बार क्या पहनें को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो घरचोला साड़ी एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह साड़ी न सिर्फ ट्रेडिशनल होती है, बल्कि आपको एक रॉयल और एलिगेंट लुक भी देती है।

घरचोला साड़ी खासतौर पर गुजराती ट्रेडिशन से जुड़ी होती है और इसे त्योहारों में पहनना बेहद शुभ माना जाता है। इस नवरात्रि आप गज्जी सिल्क, पटोला रेशम और प्रिंटेड घरचोला साड़ियों को अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। अगर आप क्लासिक और आकर्षक लुक चाहती हैं, तो लाल रंग की कढ़ाईदार गज्जी सिल्क घरचोला साड़ी ट्राई करें। यह साड़ी आपके लुक को निखारती है और त्योहार के माहौल के लिए बिल्कुल परफेक्ट होती है। वहीं, कुछ अलग और यूनिक पहनना चाहती हैं तो एलिफेंट प्रिंट वाली पटोला रेशम साड़ी चुन सकती हैं, जो आपको भीड़ से अलग दिखाएगी। इसके अलावा कैरी (पैसली) डिजाइन वाली पारंपरिक घरचोला साड़ी भी आजकल काफी ट्रेंड में है। यह डिजाइन सिंपल होने के बावजूद बेहद खूबसूरत लगता है और हर उम्र की महिलाओं पर जंचता है। अगर आप ट्रेडिशनल लुक को मॉडर्न टच देना चाहती हैं, तो प्रिंटेड गुजराती घरचोला साड़ी एक शानदार ऑप्शन है। इसे पहनकर आप पूजा से लेकर गरबा नाइट तक हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं। कुल मिलाकर, घरचोला साड़ी इस नवरात्रि आपके लुक को खास बनाने के लिए एक परफेक्ट चॉइस है।

गर्मियों में आंखों की देखभाल: इन पांच समस्याओं से ऐसे करें बचाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप, धूल और गर्म हवाएं आंखों के लिए कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकती हैं। इस मौसम में आंखों का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है।

सबसे आम समस्या है आई फ्लू (कंजंक्टिवाइटिस), जो बैक्टीरिया या वायरस के कारण होता है। इसमें आंखें लाल हो जाती हैं, खुजली होती है और पानी या चिपचिपा पदार्थ निकलने लगता है। इससे बचने के लिए बार-बार हाथ धोना और आंखों को छूने से बचना जरूरी है। दूसरी समस्या है ड्राई आई। गर्म हवाएं और एयर कंडीशनर के ज्यादा इस्तेमाल से आंखों की नमी कम हो जाती है, जिससे जलन और सूखापन महसूस होता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह से आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। तीसरी परेशानी एलर्जी है, जो धूल और प्रदूषण के कारण होती है। इससे आंखों में खुजली और जलन होती है। आंखों को रगड़ने से बचें और ठंडे पानी या कपड़े से सिकाई करें। इसके अलावा, तेज यूवी किरणों से आंखों को सनबर्न (फोटोकैरेटाइटिस) हो सकता है, जिससे दर्द और लाइट से दिक्कत होती है। इसलिए धूप में निकलते समय यूवी-प्रोटेक्टिव सनग्लास जरूर पहनें। इन सभी समस्याओं से बचने के लिए भरपूर पानी पिएं, आंखों की सफाई रखें और दोपहर की तेज धूप से बचें। अगर कोई समस्या ज्यादा बढ़े, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

फिंगर टिप मेहंदी डिजाइन्स

कम समय में पाएं स्टाइलिश और एलिगेंट लुक

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप इस फेस्टिव सीजन, खासकर नवरात्रि के दौरान, सिंपल और सोबर मेहंदी लगाने की सोच रही हैं तो फिंगर टिप मेहंदी डिजाइन्स आपके लिए एक परफेक्ट ऑप्शन हो सकते हैं। ये डिजाइन्स आजकल काफी ट्रेंड में हैं, खासतौर पर वर्किंग वुमन और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के बीच। इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये देखने में बेहद स्टाइलिश होते हैं और लगाने में भी बहुत आसान होते हैं। पूरे हाथ में मेहंदी लगाने में जहां घंटों का समय लग जाता है, वहीं फिंगर टिप डिजाइन्स को आप मात्र 10 से 15 मिनट में पूरा कर सकती हैं। यह उन महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी है जो अपने बिजी शेड्यूल के बीच भी फेस्टिव लुक चाहती हैं। साथ ही, इन डिजाइन्स में हथेलियां खाली रहती हैं, जिससे आप अपने रोजमर्रा के काम आसानी से कर सकती हैं। अगर आप ज्वेलरी जैसा लुक चाहती हैं, तो 'रिंग स्टाइल' फिंगर मेहंदी जरूर ट्राई करें। इसमें उंगलियों के बीच में अंगूठी जैसा पैटर्न बनाया जाता है, जो आपके हाथों को बिना गहनों के भी सजा देता है। यह स्टाइल आजकल सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और युवतियों को खूब पसंद आ रहा है।

आप चाहें तो हर उंगली पर अलग-अलग मिनिमल पैटर्न बनाकर 'मिक्स एंड मैच' लुक भी क्रिएट कर सकती हैं। यह स्टाइल न सिर्फ यूनिक लगता है, बल्कि आपके हाथों को मॉडर्न और ट्रेंडी टच भी देता है। वहीं, अगर आप थोड़ा हैवी लुक चाहती हैं, तो एंक्लेट स्टाइल मेहंदी डिजाइन चुन सकती हैं, जिसमें उंगलियों के साथ कलाई पर भी डिजाइन बनाया जाता है। इसके अलावा, छोटी-छोटी बूटियों और फ्लोरल मोटिफ्स वाले डिजाइन्स भी बेहद खूबसूरत लगते हैं। ये सिंपल होने के बावजूद हाथों को एक डेलिकेट और एलिगेंट लुक देते हैं। कुल मिलाकर, फिंगर टिप मेहंदी डिजाइन्स उन लोगों के लिए बेस्ट हैं जो कम समय में स्टाइलिश और आकर्षक लुक पाना चाहते हैं। अगर आप इस फेस्टिव सीजन, खासकर नवरात्रि के दौरान, सिंपल और सोबर मेहंदी लगाने की सोच रही हैं, तो फिंगर टिप मेहंदी डिजाइन्स आपके लिए एक परफेक्ट ऑप्शन हो सकते हैं। ये डिजाइन्स आजकल काफी ट्रेंड में हैं।

नवरात्रि व्रत में हाई-प्रोटीन आहार जरूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवरात्रि व्रत में भूख और कमजोरी से बचने के लिए हाई-प्रोटीन आहार बेहद जरूरी है। पनीर, मखाना, मूंगफली, दही और छाछ ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर हैं जो दिनभर ऊर्जा बनाए रखते हैं। पनीर-प्रोटीन और कैल्शियम का मुख्य स्रोत, इसे कच्चा, हल्का रोस्ट या सलाद में शामिल करें। यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है। मखाना, हल्का और पोषणयुक्त, प्रोटीन व फाइबर से भरपूर। घी में भूनकर स्नैक या दूध के साथ खीर बनाकर खाएं। मूंगफली-आसानी से उपलब्ध और ऊर्जा बढ़ाने वाला। शुद्ध घी या ड्राई रोस्ट करके सेवन करें। दही और छाछ-प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर। शरीर को हाइड्रेट और ठंडक देते हैं, थकान दूर करते हैं। इन आहारों को डाइट में शामिल कर भक्त बिना कमजोरी महसूस किए व्रत निभा सकते हैं।

सुविचार

कठिन समय ही इंसान को मजबूत बनाता है।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	06:38-04:08 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	रोहिणी	08:49-07:04 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:30 AM	चन्द्रोदय	10:09 AM
सूर्यास्त		6:35 PM	चंद्रास्त	12:48 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत		यमुना छठ	विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:34 PM:05:04 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नवरात्रि में सजते महाकाल, अनोखी परंपरा

जब महाकाल बने दूल्हा, उज्जैन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

यूनिक समय, मथुरा। महाकालेश्वर मंदिर में नवरात्रि के दौरान एक ऐसी अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जो देशभर के अन्य धार्मिक आयोजनों से इसे अलग पहचान देती है। आमतौर पर नवरात्रि को मां दुर्गा की उपासना से जोड़ा जाता है, लेकिन उज्जैन में "शिव नवरात्रि" का विशेष महत्व है, जहां भगवान शिव के महाकाल रूप की नौ दिनों तक भव्य आराधना की जाती है।

यह उत्सव महाशिवरात्रि से नौ दिन पहले शुरू होता है और हर दिन भगवान महाकाल का अलग–अलग श्रृंगार किया जाता है। इन नौ दिनों में मंदिर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो जाता है।

सुबह से लेकर देर रात तक भजन, आरती और विशेष पूजन का क्रम चलता रहता है, जिससे पूरा शहर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर दिखाई देता है।

शिव नवरात्रि की सबसे खास बात है महाकाल का प्रतिदिन बदलता स्वरूप। कभी उमा–महेश के रूप में, तो कभी चंदन श्रृंगार या शिव तांडव के रूप में भगवान का अलौकिक दर्शन होता है। हर श्रृंगार के पीछे धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व जुड़ा होता है, जिसे देखने के लिए दूर–दूर से श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं।

इस उत्सव का चरम महाशिवरात्रि के दिन देखने को मिलता है, जब भगवान महाकाल को दूल्हे के रूप में सजाया जाता है। सिर पर सेहरा, विशेष वस्त्र और आकर्षक आभूषणों से सजे महाकाल के दर्शन एक अनोखा अनुभव देते हैं। उस दिन मंदिर परिसर में विवाह जैसा माहौल बन जाता है, जहां श्रद्धालु बाराती की तरह शामिल होकर भक्ति में डूब जाते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

उज्जैन की धार्मिक पहचान को और विशेष बनाता है हर सिद्धि माता मंदिर, जो 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। शिव नवरात्रि के दौरान यहां भी विशेष पूजा–अर्चना होती है, जिससे शिव और शक्ति के संगम का अद्भुत वातावरण बनता है।

इन दिनों उज्जैन का हर कोना उत्सव स्थल में बदल जाता है। सड़कों पर रौनक, मंदिरों में भीड़ और बाजारों में सजावट इस आयोजन को और भव्य बना देती है। यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और भावनाओं का जीवंत संगम है, जो हर साल हजारों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए अलग–अलग अनुभव लेकर आया है। ग्रह–नक्षत्रों की चाल कहीं अवसरों के द्वार खोल रही है, तो कहीं सावधानी बरतने का संकेत दे रही है। ऐसे में दिन की शुरुआत करने से पहले राशिफल पर एक नजर डालना आपके निर्णयों को बेहतर बना सकता है।

मेष राशि: दिन खर्चीला रह सकता है। अनावश्यक खर्चों से मन चिंतित रहेगा, लेकिन पुराने मित्र से मुलाकात राहत देगी। परिवार में हल्की नोकझोंक संभव है, इसलिए संयम रखें।

वृषभ राशि: दिन थोड़ा उलझन भरा रहेगा, लेकिन भाग्य का साथ मिलेगा। परिजनों का सहयोग मिलेगा और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन राशि: लाभ के अच्छे संकेत हैं। आय में वृद्धि होगी और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

कर्क राशि: खुशखबरी मिल सकती है। कोई पुरानी इच्छा पूरी होगी। वाहन खरीदने का योग बन रहा है, लेकिन निर्णय सोच–समझकर लें।

सिंह राशि: साझेदारी में सफलता मिलेगी। किसी डील से लाभ होगा, लेकिन किसी पर आंख बंद कर भरोसा न करें। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

कन्या राशि: दिन बेहद शुभ है। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी और आय बढ़ेगी। नया अवसर मिल सकता है, जिससे भविष्य मजबूत होगा।

तुला राशि: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। व्यापार में लाभ और पारिवारिक जीवन में संतुलन बना रहेगा। रिश्तों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक राशि: काम का दबाव बढ़ सकता है, जिससे तनाव महसूस होगा। धैर्य रखें और जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

धनु राशि: दिन अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। निवेश के लिए समय अच्छा है।

मकर राशि: नए अवसर मिलेंगे और परिवार में सम्मान बढ़ेगा। किसी पुराने विवाद का समाधान भी संभव है।

कुंभ राशि: दिन सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। खान–पान में लापरवाही से परेशानी हो सकती है।

मीन राशि: राहत भरा दिन रहेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे और मानसिक शांति मिलेगी। परिवार में सुखद माहौल बना रहेगा।

कन्याकुमारी नाम के पीछे छिपी अधूरी प्रेम कथा

यूनिक समय, मथुरा। कन्याकुमारी केवल भारत का अंतिम छोर ही नहीं, बल्कि आस्था, पौराणिक रहस्य और अधूरी कथा का जीवंत प्रतीक भी है। यहां स्थित कुमारी अम्मन मंदिर अपनी अनोखी परंपरा और देवी के कुंवारी स्वरूप के कारण देशभर में प्रसिद्ध है।

इस स्थान के नाम के पीछे एक रोचक पौराणिक कथा जुड़ी है। मान्यता के अनुसार, बाणासुर नामक एक शक्तिशाली राक्षस ने कठोर तपस्या कर भगवान शिव से वरदान प्राप्त किया था कि उसकी मृत्यु केवल किसी कुंवारी कन्या के हाथों ही संभव होगी। इस वरदान के बल पर उसने तीनों लोकों में आतंक मचा दिया, जिससे देवता चिंतित हो उठे।

तब देवताओं ने भगवान विष्णु की सलाह पर यज्ञ किया, जिससे देवी का एक दिव्य कन्या रूप प्रकट

हुआ–कन्या कुमारी। देवी ने बाणासुर के वध का संकल्प लिया, लेकिन साथ ही उन्होंने शिव से विवाह की इच्छा भी जताई और कठोर तपस्या की।

शिव विवाह के लिए तैयार हो गए, लेकिन देवताओं को भय था कि यदि यह विवाह हो गया, तो बाणासुर का अंत नहीं हो पाएगा। तब नारद ने एक युक्ति अपनाई और विवाह का शुभ मुहूर्त निकलवा दिया। परिणामस्वरूप यह विवाह अधूरा रह गया।

कथा के अनुसार, क्रोधित होकर देवी ने विवाह की सारी सामग्री को रेत और शंख–सीपियों में बदल दिया, जो आज भी यहां के तट पर देखे जाते हैं। बाद में बाणासुर ने देवी से विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन इंकार होने पर युद्ध हुआ और देवी ने उसका वध कर दिया।

इस घटना के बाद देवी ने आजीवन कुंवारी रहने का संकल्प लिया, जिससे इस स्थान का नाम "कन्या कुमारी" पड़ा। आज भी यहां तीन समुद्रों के संगम के बीच यह मंदिर आस्था और अधूरी प्रेम कथा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है।

अर्जुन और कर्ण की दुश्मनी का हजारों साल पुराना रहस्य उजागर

यूनिक समय, मथुरा। अर्जुन और कर्ण की दुश्मनी को लेकर अब तक जो कहानी आम लोगों के बीच प्रचलित रही है, वह शायद पूरी सच्चाई नहीं थी। अधिकांश लोग मानते हैं कि यह संघर्ष केवल दुर्योधन की मित्रता या द्रौपदी के अपमान का परिणाम था। लेकिन एक नई पौराणिक व्याख्या इस पूरे घटनाक्रम को कहीं अधिक गहराई और रहस्य से जोड़ती है।

कहानी के अनुसार, यह दुश्मनी द्वापर युग की नहीं, बल्कि उससे भी हजारों वर्ष पहले की है। प्राचीन काल में दंभोद्भव नामक एक असुर था, जिसने कठोर तपस्या कर सूर्यदेव से हजार अभेद्य कवचों का वरदान प्राप्त किया। इस वरदान की शर्त इतनी कठोर थी कि हर कवच को तोड़ने के लिए योद्धा को हजार वर्षों तक तपस्या और फिर हजार

वर्षों तक युद्ध करना पड़ता, और कवच टूटते ही उस योद्धा की मृत्यु निश्चित थी। इस असुर

हजारों साल पुरानी दुश्मनी का अंत महाभारत में हुआ

ने अपने इन कवचों के बल पर तीनों लोकों में आतंक मचा दिया। तब सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने नर और नारायण के रूप में अवतार लिया। दोनों ने एक अनोखी रणनीति बनाई–एक तपस्या करता, दूसरा युद्ध करता। जैसे ही एक कवच टूटता, योद्धा मर जाता, लेकिन दूसरा उसे पुनर्जीवित कर देता। इस प्रकार 999 कवच नष्ट कर दिए गए। जब केवल एक कवच शेष रह गया, तो असुर भयभीत होकर सूर्यदेव की शरण में चला गया। इस कारण नर–नारायण को अपना कार्य अधूरा छोड़ना पड़ा। समय बीता और द्वापर युग में वही असुर सूर्यपुत्र कर्ण के रूप में जन्मा, जबकि नर और नारायण क्रमशः अर्जुन और श्री कृष्ण के रूप में अवतरित हुए। व्यंग्यात्मक रूप से देखें तो यह संघर्ष केवल "कौन किसका मित्र था" का मामला नहीं, बल्कि एक अधूरी फाइल थी, जिसे ब्रह्मांड ने हजारों साल बाद फिर से खोला। महाभारत का युद्ध मानो उस प्राचीन हिसाब–किताब का अंतिम अध्याय बन गया, जहां अर्जुन और श्री कृष्ण ने मिलकर उस अंतिम "कवच" को समाप्त किया।

हालांकि, यह कथा धार्मिक ग्रंथों की मुख्य धारा से अलग एक लोकप्रिय व्याख्या मानी जाती है, लेकिन यह महाभारत के युद्ध को एक नया दृष्टिकोण जरूर देती है। आखिरकार, इतिहास हो या पौराणिक कथा–हर कहानी के पीछे एक और कहानी छिपी होती है, जिसे जानना हमेशा रोचक होता है।

सम्पादकीय

संसद में संवाद नहीं सिर्फ शोर बचा

भारतीय लोकतंत्र का मंदिर कहे जाने वाले संसद भवन में इन दिनों एक नया खेल चल रहा है–"कौन ज्यादा शोर मचा सकता है।" कभी लगता है कि यह बहस का मंच कम और रियलिटी शो का सेट ज्यादा बन गया है, जहां हर पक्ष अपनी टीआरपी बढ़ाने में जुटा है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां वोट दर्शक नहीं, बल्कि सांसद खुद देते हैं।

पहले संसद में बहसें होती थीं, अब बहाने होते हैं। पहले तर्क चलते थे, अब तख्तियां चलती हैं। पहले विपक्ष सरकार को घेरता था, अब खुद माइक को घेर लेता है। और सत्ता पक्ष?

पवन गौतम
संपादक

वह भी कम नहीं–वह मुस्कुराकर सब देखता है और आंकड़ों की ढाल लेकर हर सवाल को "समय समाप्त" में बदल देता है।

विपक्ष का कहना है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। सत्ता पक्ष कहता है कि उन्हें बोलने का समय ज्यादा मिला। सच क्या है? शायद दोनों ही अपने–अपने सच में सही हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि जनता का सच कहां है? वह सच जो संसद के बाहर खड़ा होकर अंदर झांकता है और सोचता है–"ये वही लोग हैं जिन्हें हमने अपनी आवाज़ बनाया था?"

आज संसद में नियम किताबों में ज्यादा दिखते हैं, व्यवहार में कम। परंपराएं भाषणों में जीवित हैं, आचरण में नहीं। अविश्वास प्रस्ताव भी अब विश्वास से ज्यादा अविश्वास पैदा करता है–सिस्टम पर, नीयत पर और कभी–कभी लोकतंत्र पर भी।

विडंबना देखिए, सांसद एक–दूसरे की बात सुनने को तैयार नहीं, लेकिन पूरे देश को अपनी बात सुनाना चाहते हैं। जैसे घर में दो लोग आपस में बात न करें और मोहल्ले में भाषण देते फिरें। लोकतंत्र का सौंदर्य असहमति में है, लेकिन असभ्यता में नहीं। विरोध जरूरी है, लेकिन व्यवधान नहीं। अगर संसद में ही संवाद खत्म हो गया, तो सड़कों पर शोर बढ़ना तय है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

आखिरकार, संसद कोई अखाड़ा नहीं जहां जीत–हार का फैसला शोर से हो। यह वह जगह है जहां देश की दिशा तय होती है। अगर यहां भी जिद और मनमर्जी हावी हो गई, तो लोकतंत्र का "लाइव टेलीकास्ट" सिर्फ एक कॉमेडी शो बनकर रह जाएगा।

अब वक्त है कि सांसद यह तय करें–वे इतिहास बनाना चाहते हैं या सिर्फ हेडलाइन।

नजरिया

दुनियाभर में युद्ध का शोर, घरों में मचा अफवाहों का घमासान

मृत्युंजय दीक्षित

दुनिया के नक्शे पर कहीं दूर युद्ध चल रहा है, लेकिन उसका कंपन हमारे रसोईघर तक सुनाई दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति की जटिल चालें अब चूल्हे की आंच से जुड़ गई हैं। तेल के दाम, गैस की आपूर्ति और जहाजों की आवाजाही–ये सब विषय पहले समाचारों तक सीमित रहते थे, पर अब हर घर की चर्चा का हिस्सा बन चुके हैं। फर्क बस इतना है कि जहां दुनिया के कई देश संकट से जूझने के लिए एकजुट दिखते हैं, वहीं हम भारतीयों ने इस संकट को "घरेलू आपातकाल" में बदलने की अद्भुत क्षमता दिखा दी है।

युद्ध का प्रभाव वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ना स्वाभाविक है। तेल और गैस की कीमतें बढ़ती हैं, महंगाई सिर उठाती है और सरकारों को नए रास्ते खोजने पड़ते हैं। यह सब एक सामान्य आर्थिक प्रतिक्रिया है। किंतु हमारे यहां यह प्रतिक्रिया "पैनिक बटन" दबाने में बदल जाती है। जैसे ही कहीं युद्ध की खबर आई, लोगों ने सबसे पहले यह सोचा–"गैस सिलेंडर खत्म हो गया तो?" और देखते ही देखते, जिन घरों में पहले से दो–दो सिलेंडर भरे पड़े थे, वहां भी तीसरे की तलाश शुरू हो गई।

यह स्थिति कुछ वैसी ही है जैसे परीक्षा से पहले छात्र पढ़ाई कम और पेन ज्यादा इकट्ठा करने लगते हैं। मानो सफलता पेन की संख्या से तय होनी हो। यहां भी ऊर्जा संकट का समाधान संयम और समझदारी में नहीं, बल्कि जमाखोरी में खोजा जा रहा है।

राजनीति ने इस पूरे परिदृश्य में अपना पारंपरिक किरदार निभाया है–आग में घी डालने का। जहां एक ओर सरकार वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बनाए रखने के लिए नए–नए समझौते कर रही है, वहीं विपक्ष इस संकट में अवसर खोजने में व्यस्त है।

आरोप–प्रत्यारोप का खेल इस कदर बढ़ गया है कि असली मुद्दा कहीं पीछे छूट गया है।

जब देश को एकजुटता की आवश्यकता होती है, तब हम विभाजन की रेखाएं और गहरी खींचने लगते हैं। संसद से लेकर सड़कों तक, हर जगह एक ही प्रतियोगिता चल रही है–"कौन ज्यादा आलोचना कर सकता है।" मानो संकट का समाधान आलोचना की मात्रा से तय होना हो।

लेकिन असली कहानी राजनीति से भी ज्यादा दिलचस्प है–वह है आम नागरिक का व्यवहार। जिन लोगों को कल तक गैस सिलेंडर की कीमत अधिक लगती थी, वही आज उसे तीन–चार गुना कीमत पर खरीदने को तैयार हैं। यह अचानक आई "समृद्धि" नहीं, बल्कि "भय" का परिणाम है। भय इंसान से वह सब करा देता है, जो सामान्य परिस्थितियों में वह कभी नहीं करता।

अफवाहों का भी इस पूरे घटनाक्रम में बड़ा योगदान है। एक व्यक्ति ने कहा–"गैस खत्म होने वाली है," दूसरे ने जोड़ा–"सरकार कुछ छुपा रही है," और तीसरे ने निष्कर्ष निकाल लिया–"अब तो जमाखोरी ही एकमात्र विकल्प है।" इस प्रकार एक छोटी सी बात, बिना किसी प्रमाण के, राष्ट्रीय संकट का रूप ले लेती है।

यह विडंबना ही है कि हम डिजिटल युग में जी रहे हैं, जहां सूचना तक पहुंच आसान है, फिर भी अफवाहें तथ्यों से ज्यादा तेजी से फैलती हैं। मानो सत्य धीमी गति से चलने वाली बस हो और अफवाहें तेज रफ्तार बुलेट ट्रेन।

युद्ध का असर केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता; यह समाज के चरित्र की भी परीक्षा लेता है। यह देखता है कि संकट के समय हम सहयोग का रास्ता चुनते हैं या स्वार्थ का। दुर्भाग्यवश, वर्तमान स्थिति में स्वार्थ ने सहयोग को पीछे छोड़ दिया है।

जमाखोरी और कालाबाजारी कोई नई समस्या नहीं हैं, लेकिन संकट के समय ये और अधिक मुखर हो जाती हैं। कुछ लोग इसे "अवसर" के रूप में देखते हैं–जहां दूसरों की परेशानी से लाभ कमाया जा सकता है। यह सोच केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक पतन का संकेत भी है।

सरकार अपनी ओर से प्रयास कर रही है–नई आपूर्ति व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय समझौते और सख्त निगरानी। लेकिन सरकार अकेले इस लड़ाई को नहीं जीत सकती। नागरिकों का सहयोग उतना ही आवश्यक है। यदि लोग घबराकर अनावश्यक खरीदारी करेंगे, तो कोई भी व्यवस्था टिक नहीं पाएगी।

हम भारतीय "सेल" के इतने आदी हो चुके हैं कि अब "संकट" में भी खरीदारी का मौका ढूंढ लेते हैं। फर्क बस इतना है कि यहां छूट नहीं, बल्कि महंगाई मिलती है–फिर भी भीड़ कम नहीं होती।

युद्ध अभी दूर है, लेकिन उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव हमारे बहुत करीब आ चुका है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में एक जिम्मेदार समाज हैं, या केवल परिस्थितियों के अनुसार अपनी भूमिका बदल लेते हैं।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि संकट केवल सरकारों की परीक्षा नहीं होता, यह नागरिकों की भी परीक्षा है। यदि हम संयम, सहयोग और कर्तव्यबोध का परिचय देंगे, तो कोई भी संकट बड़ा नहीं लगेगा। लेकिन यदि हम अफवाहों और भय के अधीन हो गए, तो छोटी समस्या भी विकराल रूप ले लेगी।

और अंत में, एक हल्का सा व्यंग्य–युद्ध भले ही सीमाओं पर लड़ा जा रहा हो, लेकिन असली घमासान हमारे घरों में चल रहा है, जहां गैस सिलेंडर ही सबसे बड़ा "रणनीतिक संसाधन" बन गया है।

विचार विण्डो

चांदी संग सोना गिरा, निवेशकों की सांस अटकी

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय मानस में सोना केवल धातु नहीं, भावनाओं का भंडार है। यह दादी की पेटी में बंद विश्वास है, बहू के गहनों में सजी प्रतिष्ठा है और कठिन समय का मौन सहारा भी। किंतु इन दिनों यह भरोसे का प्रतीक स्वयं ही भरोसा खोता दिखाई दे रहा है। बाजार में जो हलचल मची है, वह केवल कीमतों की गिरावट नहीं, बल्कि निवेशकों के धैर्य और समझ की भी परीक्षा है।

सोना, जिसे सदियों से "सुरक्षित निवेश" का तमगा प्राप्त है, आज अपने ही सिंहासन से फिसलता दिख रहा है। वर्ष भर की कमाई एक झटके में मिट्टी में मिलती प्रतीत हो रही है। चांदी, जो अक्सर सोने की छोटी बहन कही जाती है, वह भी बड़े भाई के पीछे–पीछे फिसल पड़ी है। ऐसा लग रहा है मानो दोनों ने मिलकर बाजार से अवकाश लेने का मन बना लिया हो।

अब प्रश्न उठता है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों? क्या सोना अचानक अपनी चमक खो बैठा या बाजार की आंखों में ही कोई धुंध छा गई? उत्तर थोड़ा जटिल है, किंतु व्यंग्यात्मक दृष्टि से देखें तो यह वही कहानी है जिसमें जब दुनिया में तनाव बढ़ता है, तो निवेशक सुरक्षित ठिकानों की ओर भागते हैं–और जब वही तनाव आर्थिक समीकरण बिगाड़ देता है, तो वही निवेशक घबराकर भाग खड़े होते हैं।

मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए किसी सिरदर्द से कम नहीं, इस गिरावट का प्रमुख कारण बनकर उभरा है। युद्ध की आंच केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहती; वह तेल के दामों में उबाल लाती है, महंगाई को हवा देती है और केंद्रीय बैंकों को सख्त कदम उठाने पर विवश करती है। जब ब्याज दरें ऊंची बनी रहती हैं, तब बिना ब्याज देने वाला सोना निवेशकों को उतना आकर्षित नहीं करता। परिणामस्वरूप, सोना धीरे–धीरे निवेशकों की प्राथमिकता सूची से नीचे खिसकने लगता है।

लेकिन असली नाटक यहीं समाप्त नहीं होता। बाजार में एक नया पात्र

प्रवेश करता है–"मजबूरी में बिकवाली।" यह वह स्थिति है जब निवेशक अपने अन्य घाटों की भरपाई करने के लिए सोना बेचने लगते हैं। मानो घर में आग लगी हो और सबसे पहले तिजोरी ही खोल दी गई हो। इससे कीमतों पर और दबाव बढ़ता है और गिरावट का सिलसिला तेज हो जाता है। जब सोना महंगा होता है, तब लोग कहते हैं–"देखो, कितना सुरक्षित निवेश है।" और जब सस्ता होता है, तब वही लोग कहते हैं–"अरे, इसमें तो जोखिम है!" यानी बाजार में विश्वास भी कीमत के साथ ही ऊपर–नीचे होता है।

चांदी की स्थिति भी कुछ अलग नहीं। औद्योगिक उपयोग के कारण वह आर्थिक गतिविधियों से अधिक प्रभावित होती है। जब वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती है, तो उद्योग धीमे पड़ते हैं और चांदी की मांग घट जाती है। परिणामस्वरूप, उसकी कीमतें भी धराशायी हो जाती हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो चांदी ने सोने से कहा हो–"जहां तुम, वहां हम।"

भारतीय निवेशक अक्सर सोने को दीर्घकालिक सुरक्षा मानते हैं, किंतु व्यवहार में वे भी बाजार की हर छोटी–बड़ी हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। कीमत बढ़े तो खरीदने की होड़, और गिरे तो बेचने की दौड़। यह ठीक वैसा ही है जैसे बारिश में छाता खरीदना और धूप निकलते ही उसे भूल जाना।

वर्तमान परिदृश्य में बाजार एक दर्पण की तरह काम कर रहा है, जो हमारी अधीरता और अल्पकालिक सोच को उजागर कर रहा है। सोना और चांदी स्वयं नहीं बदलते; बदलती है हमारी दृष्टि, हमारी अपेक्षाएं और हमारी रणनीतियां।

यदि गंभीरता से विचार करें, तो यह गिरावट कोई आपदा नहीं, बल्कि एक अवसर भी हो सकती है। किंतु अवसर वही देख पाता है, जिसके पास धैर्य और दूरदृष्टि हो। बाकी लोग तो बाजार की लहरों में बहते हुए केवल शोर ही सुनते हैं। बाजार ने मानो घोषणा कर दी है–"जो घबराया, वही गंवाया।" और जो धैर्य रखेगा, वही भविष्य में लाभ उठाएगा। किंतु समस्या यह है कि धैर्य आजकल सबसे दुर्लभ संसाधन बन चुका है।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि सोना और चांदी केवल धातुएं नहीं, बल्कि आर्थिक संकेतक भी हैं। उनकी चाल हमें वैश्विक परिस्थितियों का संकेत देती है। यदि हम केवल कीमतों पर ध्यान देंगे और कारणों को नजरअंदाज करेंगे, तो हर उतार–चढ़ाव हमें चौंकाता रहेगा। इसलिए, आवश्यक है कि हम बाजार को तमाशा नहीं, अध्ययन का विषय बनाएं। अन्यथा, आज सोने के गिरने पर हम रोएंगे और कल उसके बढ़ने पर पछताएंगे कि काश, हमने धैर्य रखा होता। बाजार की इस उठापटक में एक बात तो स्पष्ट है–सोना भले ही गिर गया हो, किंतु उससे जुड़े हमारे भ्रम अभी भी ऊंचाई पर हैं।

सीएसके का 'रोर 2026'

सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन को मिला हॉल ऑफ फेम सम्मान

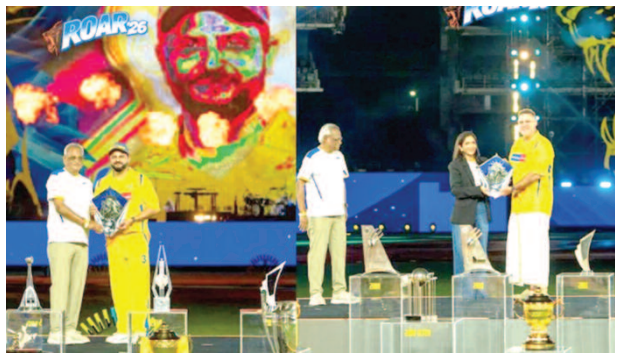

यूनिक समय, नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले अपने होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में एक खास इवेंट 'रोर 2026' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सीएसके ने अपने दो पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों, सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन को फ्रेंचाइजी के पहले 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया। ये दोनों खिलाड़ी कई सालों तक सीएसके का अहम हिस्सा रहे और टीम को कई यादगार जीत दिलाई।

सुरेश रैना, जिन्हें 'चिन्ना थाला' के नाम से जाना जाता है, ने 2008 से 2021 तक सीएसके का प्रतिनिधित्व किया। रैना आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे–2010, 2011, 2018 और 2021 में। उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए कुल 5529 रन बनाए और कई मुकाबलों में यादगार पारियां खेलीं। एमएस धोनी की गैरमौजूदगी में रैना ने कुछ मैचों में टीम की कप्तानी भी संभाली। वहीं, मैथ्यू हेडन सीएसके के पहले ऐसे खिलाड़ी बने जिन्होंने ऑरेंज कैप जीती।

हेडन ने 2008 से 2010 तक सीएसके के लिए खेला और 2009 में 572 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने टीम के लिए कुल 1107 रन बनाए और 2010 में आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। सीएसके का पहला मैच इस सीजन 30 मार्च को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम 3 अप्रैल को चेपॉक में पंजाब किंग्स और 5 अप्रैल को चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करेगी। 11 अप्रैल को चेपॉक में सीएसके दिल्ली कैपिटल्स से मुकाबला खेलेगी। अब देखना यह होगा कि सीएसके इस सीजन कैसा प्रदर्शन करती है और टॉप-4 में जगह बना पाती है या नहीं।

मधु मंटेना के घर गूंजी किलकारी पत्नी इरा ने बेटे को दिया जन्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्माता मधु मंटेना और पत्नी इरा त्रिवेदी के घर खुशियों की लहर दौड़ गई है। मधु मंटेना, जिन्होंने आमिर खान की 'गजनी' और कंगना रनौत की 'क्वीन' जैसी हिट फिल्में बनाई हैं, अब पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी इरा ने नवरात्रि और ईद के अवसर पर एक बेटे को जन्म दिया। कपल ने यह खुशी अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर फैंस के साथ साझा की।

मधु और इरा ने नीले रंग के पदचिह्न और भगवान कृष्ण की तस्वीर के साथ पोस्ट शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि इस सुंदर आशीर्वाद के लिए भगवान का धन्यवाद, जिसने उनके जीवन को प्यार और उजाला से भर दिया। नवजात शिशु का जन्म परिवार के लिए खास अवसर बन गया है क्योंकि यह नवरात्रि और ईद के पवित्र दिनों में हुआ। इस गुड न्यूज के तुरंत बाद फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स ने मधु और इरा को बधाई देना शुरू कर दिया। राजकुमार राव, रवीना टंडन और पुलकित सम्राट सहित कई हस्तियों ने कपल को शुभकामनाएं दीं और नवजात बच्चे के लिए अपना प्यार भेजा। मधु मंटेना और इरा त्रिवेदी के लिए यह समय बेहद खास है, और अब उनका परिवार नए सदस्य के साथ और भी खुशहाल हो गया है। बॉलीवुड जगत में इस तरह की खुशखबरी हमेशा उत्साह और प्यार का माहौल बनाती है, और फैंस इस नए आगमन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस क्या दोहराएगी पहली जीत का जादू?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने आईपीएल में अपने पहले ही सीजन में खिताब जीतकर इतिहास रचा था। अब आईपीएल 2026 में देखना दिलचस्प होगा कि क्या शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अपनी शानदार फॉर्म को दोहरा पाएगी। गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्थिरता है। टीम ने अपने कोर ग्रुप में ज्यादा बदलाव नहीं किया है, जिससे प्रमुख खिलाड़ी अपनी भूमिकाओं में अच्छी तरह से दक्ष हैं। ओपनिंग जोड़ी शुभमन गिल और साई सुदर्शन टीम के लिए निरंतर प्रदर्शन दे रही है। नंबर 3 पर जोस बटलर के आने से टॉप ऑर्डर और भी मजबूत हुआ है। ये खिलाड़ी आक्रामक खेल के बजाय निरंतरता और साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

हालांकि, टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उनका मिडिल ऑर्डर है। शेरफेन रदरफोर्ड के जाने से नंबर 4 खाली हो गया है। ग्लेन फिलिप्स और टॉम बैंटन जैसे विकल्प मौजूद हैं, लेकिन उनका आईपीएल में प्रदर्शन उतना भरोसेमंद नहीं रहा। मिडिल ऑर्डर कमजोर होने से टॉप ऑर्डर पर अतिरिक्त दबाव आएगा और फिनिशर की भूमिका पर भी सवाल रहेगा। राहुल तेवतिया मुश्किल हालात में टीम को संभाल सकते हैं, लेकिन अंतिम ओवरों में टीम उन पर ज्यादा निर्भर रहेगी। शाहरुख खान और राशिद खान जैसे खिलाड़ियों का बल्ले से योगदान अहम होगा, लेकिन उनका प्रदर्शन अनिश्चित है।

आईपीएल 2026 शुभमन गिल के लिए भी अहम है। वह बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर भारत की टी20 टीम में वापसी करना चाहेंगे। साई सुदर्शन और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी भरोसेमंद साबित होने का मौका पाएंगे। युवा खिलाड़ियों के लिए यह सीजन अपने कौशल को दिखाने का सुनहरा अवसर है। राशिद खान की खराब फॉर्म जीटी के लिए चिंता का विषय है। उनका फॉर्म वापस आना टीम की बॉलिंग को मजबूत बनाएगा।

शिल्पा शेट्टी ने समोसे को बताया 'त्रिमुखी फल'

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपने चीट डे का एक फनी वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शिल्पा लजीज समोसों का आनंद लेते हुए उन्हें 'त्रिमुखी फल' बताते हुए इसके फायदे गिनाती नजर आईं। वीडियो में मजाकिया आवाज में कहा गया कि समोसा दिन में कभी भी खाया जा सकता है और इसे खाने वाले को तीनों लोकों में सुख मिलता है। शिल्पा ने वीडियो में समोसों को इमली, हरी चटनी या टमाटर की चटनी के साथ खाते हुए दिखाया और मजेदार अंदाज में जलेबी के साथ खाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "जब तक रहेगा समोसे में आलू, तब तक मैं कहूंगी 'एक और खालू?'" फैंस ने इस मजेदार वीडियो को खूब पसंद किया और रेड हार्ट इमोजी से प्यार जताया। शिल्पा जल्द ही संजय दत्त के साथ फिल्म 'केडी द डेविल' में नजर आएंगी।

धुरंधर 2 का ओटीटी धमाका, रणवीर सिंह घर बैठे करेंगे तहलका

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणवीर सिंह की स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' सिनेमाघरों में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन ही 102.55 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक ओपनिंग की और अब तक भारत में 400 करोड़ रुपये और वैश्विक स्तर पर 690 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है कि यह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कब स्ट्रीम होगी।

पहले भाग की तरह नेटफ्लिक्स पर रिलीज की उम्मीद थी, लेकिन निर्माताओं ने डिजिटल राइट्स जियो हॉटस्टार को बेचे हैं। यह सौदा लगभग 150 करोड़ रुपये में हुआ है, जो पहले भाग से दोगुना है। अभी तक आधिकारिक रिलीज डेट नहीं आई है, लेकिन आमतौर पर बड़ी फिल्मों का ओटीटी प्रीमियर थिएटर रिलीज के आठ हफ्तों बाद होता है। चूंकि फिल्म 19 मार्च को रिलीज हुई थी, इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि जून के दूसरे हफ्ते तक इसे जियो हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा।

फिल्म में रणवीर सिंह का किरदार जाकिरत सिंह रंगी अपनी पिछली जिंदगी से बदलकर क्रूर जासूस हमजा अली मजारी बन जाता है और पाकिस्तान के खतरनाक गिरोहों में घुसपैठ करता है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपनी सस्पेंस भरी पटकथा और बेहतरीन एक्शन के लिए काफी सराही जा रही है। ओटीटी रिलीज का इंतजार उन दर्शकों के लिए राहत होगा जो बड़े पर्दे पर फिल्म नहीं देख पाए या घर पर आराम से दोबारा देखना चाहते हैं।

न्यूजीलैंड ने किया लीग 20 का ऐलान

घरेलू क्रिकेट को मिलेगा नया रूप और युवा खिलाड़ियों को वर्ल्ड क्लास मंच

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टी20 क्रिकेट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी नई फ्रेंचाइजी आधारित टी 20 लीग 'न्यूजीलैंड 20' शुरू करने का ऐलान किया है। यह लीग न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट को नया रूप देने और युवा क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड का लक्ष्य इस लीग के जरिए न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना है, बल्कि घरेलू खिलाड़ियों को एक वर्ल्ड क्लास मंच देना भी है।

पिछले 21 साल से न्यूजीलैंड में सुपर स्मैश टूर्नामेंट आयोजित हो रहा है, जो देश की घरेलू टी20 लीग के रूप में जाना जाता है। हालांकि, आईपीएल और अन्य बड़े टी20 लीगों की सफलता को देखते हुए बोर्ड ने दो दशक बाद अपनी लीग को नया रूप देने का निर्णय लिया। एनजेडसी की चेयरपर्सन डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा कि न्यूजीलैंड 20 लीग न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए एक रोमांचक समय लेकर आएगी और बोर्ड का उद्देश्य खेल के हितों की सबसे अच्छी सेवा करना है।

न्यूजीलैंड 20 लीग के तहत फ्रेंचाइजी आधारित टीमों का गठन किया जाएगा, जो घरेलू और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन का अवसर देगी। इस लीग के जरिए बोर्ड आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा और न्यूजीलैंड क्रिकेट की ब्रांड वैल्यू में भी वृद्धि होगी। डेलॉयट की रिपोर्ट और विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के परामर्श के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि न्यूजीलैंड के पास अपनी मजबूत ग्लोबल ब्रांड वैल्यू है। विशेष रूप से महिला क्रिकेट टीम की टी20 वर्ल्ड कप जीत और मेंस टीम की निरंतरता ने न्यूजीलैंड क्रिकेट की ब्रांड वैल्यू में महत्वपूर्ण इजाफा किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट अब पूरी तरह से न्यूजीलैंड 20 लीग के लिए लाइसेंस लेने और इसकी तैयारी में लगी है।

लीग के शुरू होने से न केवल घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि न्यूजीलैंड के युवा खिलाड़ियों को अपने करियर को नई उंचाइयों तक ले जाने का अवसर भी मिलेगा। इस प्रकार, न्यूजीलैंड 20 लीग न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए घरेलू पहचान बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक बड़ा कदम साबित होगी। यह लीग आने वाले समय में देश के क्रिकेट और खिलाड़ियों के भविष्य के लिए अहम भूमिका निभाने वाली है।

'क्वीन' और 'पंगा' जैसी फिल्मों से बनी बॉलीवुड की दमदार अभिनेत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत आज 23 मार्च को अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में जन्मी कंगना के माता–पिता चाहती थीं कि वह डॉक्टर बनें, लेकिन 12वीं में केमिस्ट्री में फेल होने के बाद उन्होंने यह सपना छोड़ दिया।

करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की, लेकिन कंगना में कुछ नया करने की चाह थी। अस्मिता थिएटर ग्रुप से प्रशिक्षण लेकर उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। साल 2005 में फिल्म 'गैंगस्टर' से डेब्यू करने के बाद कंगना ने 'क्वीन', 'थलाइवी', 'पंगा' जैसी फिल्मों से अपनी दमदार पहचान बनाई। 20 साल के फिल्मी सफर में उन्होंने 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 4 फिल्मफेयर अवॉर्ड और पद्मश्री सम्मान जीते।

यूपी में 23 से 28 मार्च तक मौसम का 'ट्रिपल अटैक'

गर्मी, बारिश और आंधी तीनों का मिलेगा कॉम्बो पैक

तापमान में उतार-चढ़ाव से लोग रहेंगे परेशान

पश्चिमी विक्षोभ से बदलेगा मौसम का मिजाज

दिन में गर्मी, शाम को राहत का एहसास

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों मौसम भी जैसे मूड स्विंग का शिकार हो गया है। कभी तेज धूप पसीना छुड़ा रही है, तो कभी बादल और हवा मिलकर राहत का एहसास करा रहे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 23 से 28 मार्च के बीच प्रदेश में मौसम का "डबल नहीं, ट्रिपल अटैक" देखने को मिलेगा–गर्मी, बारिश और आंधी तीनों का कॉम्बो पैक।

23 से 25 मार्च तक का हाल ऐसा रहेगा कि सूरज देवता पूरी ताकत दिखाएंगे। लखनऊ से लेकर गाजियाबाद और कानपुर तक लोग कहेंगे–"भाई, मार्च में ही मई वाली फील आ रही है!" तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी और दोपहर की धूप लोगों की परीक्षा लेगी। बाहर निकलते ही ऐसा लगेगा जैसे सूरज सीधे इंटरव्यू ले रहा हो–"कितनी गर्मी झेल सकते हो?"

लेकिन कहानी में ट्विस्ट 26 मार्च से शुरू होगा। पश्चिमी विक्षोभ की एंट्री के साथ ही मौसम अचानक करवट लेगा। जहां एक तरफ बादल घिरेंगे, वहीं गरज-चमक और हल्की बारिश भी दस्तक देगी। मेरठ, सहारनपुर और आसपास के इलाकों में लोग छाता ढूंढते नजर आएंगे–जो कल तक धूप से बच रहे थे, वही अब बारिश से भागेंगे।

27 मार्च को यह मौसम पूर्वी यूपी की तरफ शिफ्ट हो जाएगा। वाराणसी, गोरखपुर और आसपास के इलाकों में बारिश और तेज हवाएं लोगों को चौंका सकती हैं। और फिर 28 मार्च को मौसम फिर पलटी मारेगा और मथुरा, आगरा जैसे शहरों में बादल-बारिश का नया एपिसोड शुरू होगा।

इस पूरे हफ्ते मौसम का हाल कुछ ऐसा रहेगा–सुबह ठंडक, दोपहर में गर्मी और शाम को हवा या बारिश। यानी एक ही दिन में "तीन मौसम का ट्रेलर" देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग ने भले ही कोई बड़ी चेतावनी जारी नहीं की है, लेकिन सलाह जरूर दी है–धूप में सावधानी रखें, पानी खूब पिएं और बारिश-आंधी के दौरान सतर्क रहें। तो तैयार हो जाइए यूपी में मौसम अब सिर्फ बदल नहीं रहा, बल्कि पूरा एंटरटेनमेंट पैकेज लेकर आ रहा है!

यूपी की सियासत गरमाई

2027 में सपा हो जाएगी समाप्त : केशव मौर्य

यूनिक समय, लखनऊ। राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह पार्टी प्रदेश की जनता की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी है और 2027 के चुनाव में पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

मौर्य ने आरोप लगाया कि सपा के शासन का मतलब महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा पर संकट खड़ा होना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पहले भी कई चुनावों में सपा को नकार चुकी है और आने वाले चुनाव में भी यही रुख जारी रहेगा। उनके मुताबिक, 2014 से लेकर 2022 तक जनता ने सपा को सत्ता से दूर रखा है।

साथ ही केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा में गुंडागर्दी और माफिया तत्वों का प्रभाव ज्यादा है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में सपा का राजनीतिक भविष्य समाप्त हो जाएगा।

वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के फिल्म और भाजपा पर लगाए गए आरोपों पर भी मौर्य ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर रहने के कारण अखिलेश यादव निराश हैं और बेबुनियाद बयान दे रहे हैं।

प्रदेश की सियासत में 2027 को लेकर अभी से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, जिससे आने वाले समय में राजनीतिक माहौल और गरमाने के संकेत मिल रहे हैं।

यूपी कैबिनेट के फैसले

गन्ना मूल्य बढ़ा, किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 39 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 37 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई, जबकि 2 प्रस्ताव फिलहाल स्थगित कर दिए गए।

बैठक का सबसे बड़ा फोकस किसानों पर रहा। सरकार ने आगामी रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले वर्ष से 160 अधिक है। साथ ही, गेहूं खरीद 30 मार्च से 15 जून तक प्रदेश के 6500 केंद्रों पर की जाएगी। किसानों को उतराई और सफाई का अतिरिक्त भुगतान भी दिया जाएगा, जिससे उनकी आय में सीधा लाभ होगा।

ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़े फैसले लिए गए। घाटमपुर पावर प्लांट के लिए कोल माइन विकास हेतु 2242.90 करोड़ की स्वीकृति दी गई। इसके अलावा गोरखपुर में 20 मेगावाट क्षमता के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की स्थापना को मंजूरी दी गई, जिससे राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

नगर विकास के तहत "नवयुग पालिका योजना" को हरी झंडी दी गई है, जिसे 58 जिला मुख्यालयों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य शहरी सुविधाओं को आधुनिक और प्रभावी बनाना है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शोधित जल के पुनः उपयोग के लिए नई राज्य नीति 2026 लागू की जाएगी, जिससे जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को मजबूती मिलेगी।

इसके साथ ही लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर यह कैबिनेट बैठक किसानों, ऊर्जा और शहरी विकास के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है, जिससे आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मंदिर के पास से मजिस्द हटाने पर अड़े

धरने पर मंत्री डॉ. संजय निषाद,हाईवे जाम में जनता परेशान

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज में सोमवार को उस वक्त हालात तनावपूर्ण हो गए, जब डॉ. संजय निषाद अपने समर्थकों के साथ श्रृंगवेरपुरधाम में जीटी रोड पर धरने पर बैठ गए। उनकी मुख्य मांग मंदिर के पास बनी मस्जिद को हटाने और कथित अवैध कब्जे को समाप्त करने की है।

धरने में निषाद पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे मौके पर माहौल गरमाता गया। मंत्री के हाईवे पर बैठने के कारण यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई किलोमीटर तक जाम की स्थिति बन गई। इस जाम में एंबुलेंस, स्कूल बसें और रोजमर्रा के काम से निकलने वाले लोग फंसे रहे, जिससे आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ी। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मंत्री को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, डॉ. संजय निषाद बिना ठोस कार्रवाई के धरना खत्म करने को तैयार नहीं दिखे। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और खनन से निषादराज किले का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस मुद्दे को लेकर विरोध हुआ हो। इससे पहले

भी मंत्री और उनके समर्थक इसी मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। फिलहाल प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने और जाम खुलवाने के प्रयास में जुटा है, लेकिन धरना जारी रहने से स्थिति सामान्य होने में समय लग सकता है। पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि राजनीतिक विरोध और धरना प्रदर्शन का असर आखिर आम जनता को ही क्यों झेलना पड़ता है।

जनता दर्शन में सीएम योगी का भरोसा

जनता की सुरक्षा, सम्मान सरकार की जिम्मेदारी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम नागरिकों, पुलिस कर्मियों और सैनिकों की समस्याएं विस्तार से सुनीं। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार जनता की सुरक्षा, सम्मान और सहूलियत के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों को भरोसा दिलाते हुए कहा, "आप बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए, आपके परिवार की सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी सरकार की है।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का समयसीमा में निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए लोगों ने पुलिस मामलों, जमीनी विवादों,

आर्थिक सहायता और इलाज से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। योगी आदित्यनाथ ने एक-एक कर सभी फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने खास तौर पर इलाज से जुड़े मामलों पर संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज का इलाज पैसे की कमी के कारण नहीं रुकना चाहिए। उन्होंने परिजनों से कहा कि अस्पताल का अनुमानित खर्च तैयार कर आवेदन दें, सरकार पूरी सहायता करेगी।

जमीनी विवादों के मामलों में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी पक्षों को सुनकर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो। उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी सख्त चेतावनी दी कि शिकायतों का समाधान समय पर और पारदर्शी तरीके से किया जाए।

'जनता दर्शन' में आए सैनिकों के मामलों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा में तैनात जवानों और उनके परिवारों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। इस पूरे कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने यह संदेश दिया कि सरकार जनता के हर वर्ग के साथ खड़ी है और किसी को भी न्याय से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

अलीगढ़ में गो आश्रय स्थलों की बदहाल स्थिति उजागर

यूनिक समय, अलीगढ़। नगर निगम और पंचायत स्तर पर संचालित गो आश्रय स्थलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। 602 गोवंश वाले नगर निगम के दो आश्रय स्थलों में चारे और पानी की भारी कमी देखी जा रही है, जिससे कई पशु कमजोर और बीमार हालत में हैं।

सूखे भूसे और धान के पुआल पर निर्भर इन गोवंशों के लिए प्रति दिन मात्र 50 रुपये का बजट तय है, जो पर्याप्त नहीं माना जा रहा। कई स्थानों पर चारे की नांद खाली पड़ी हैं और गोवंश काई युक्त पानी पीने को मजबूर हैं।

प्रशासन ने सीसीटीवी और जांच के निर्देश दिए हैं, लेकिन जमीनी हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं।

सार संक्षेप

दिल्ली में अप्रैल से महंगी हो सकती है बिजली

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में अप्रैल से बिजली की कीमतें बढ़ सकती हैं। सरकार तीन वितरण कंपनियों (बीआरपीएल, बीवाईपीएल, टीपीडीडीएल) का 38,000 करोड़ रुपये से अधिक बकाया भुगतान करने की तैयारी कर रही है। इससे बिजली दरें बढ़ सकती हैं। दिल्ली सरकार बढ़ी हुई कीमतों पर सब्सिडी देने की योजना भी बना रही है ताकि आम नागरिक पर ज्यादा असर न पड़े। पिछले सालों में बिजली शुल्क नहीं बढ़ा, जिससे भविष्य में लागत वसूलने की जरूरत पैदा हुई है।

न्यूयॉर्क ला गार्डिया एयरपोर्ट पर विमान हादसा दो पायलटों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट पर एयर कनाडा एक्सप्रेस का सीआरजे - 900 विमान रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों यात्री और क्रू गंभीर रूप से घायल हुए। विमान का नोज और कॉकपिट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। लगभग 100 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट को बंद कर सभी उड़ानों को जेएफके एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विमान का फ्रंट पार्ट बुरी तरह टूटा दिख रहा है। राहत और बचाव कार्य जारी हैं।

असम की मंत्री नंदिता गरलोसा कांग्रेस में शामिल हाफलोंग से चुनाव लड़ेंगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम की खेल और युवा कल्याण मंत्री नंदिता गरलोसा बीजेपी से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। कांग्रेस ने उन्हें हाफलोंग विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का टिकट दिया है। गरलोसा ने मंत्री पद और बीजेपी सदस्यता से इस्तीफा देकर तुरंत कांग्रेस जॉइन किया। भाजपा ने इस सीट से रुपाली लांगथासा को उम्मीदवार बनाया है। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 9 अप्रैल, 2026 को होगा और नतीजे 4 मई को घोषित होंगे।

ढोंगी बाबा केस में फंसी रूपाली चाकणकर, एनसीपी महिला प्रदेशाध्यक्ष पद खतरे में

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में स्वयंभू बाबा अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद रूपाली चाकणकर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एनसीपी (अजित पवार गुट) की महिला प्रदेशाध्यक्ष पद से उनका इस्तीफा लगभग तय माना जा रहा है। चाकणकर पहले ही राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुकी हैं। पार्टी का मानना है कि उनके अशोक खरात से जुड़े संबंध पार्टी की छवि को प्रभावित कर रहे हैं।

कनाडा में रोहित गोदारा गैंग ने रवि ढींडसा के घर पर की फायरिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। कनाडा के ब्रैम्पटन में रोहित गोदारा-गोल्डी बराड़ गैंग ने रवि ढींडसा के घर फायरिंग की और सोशल मीडिया पर 24 घंटे में जवाब न देने पर घर में घुसकर गोली मारने की धमकी दी। गैंग के सदस्य महेंद्र डेलाना और सनी यामा ने इसकी जिम्मेदारी ली। यह घटना भारतीय मूल गैंगस्टरों की प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा मानी जा रही है।

कोरोना काल की तरह धैर्य के साथ हर चुनौती का सामना करना है : मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और उसके वैश्विक प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने संभावित वैश्विक ईंधन संकट, सप्लाई चेन और स्थिरता के लिए सरकार की तैयारियों के बारे में बताया। मोदी ने कहा कि भारत में और प्रभावित देशों में 24x7 कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं। वहीं मोदी ने कहा, कोरोना काल की तरह धैर्य के साथ हर चुनौती का सामना करना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। उन्होंने प्रभावित लोगों और उनके परिवारों को हर संभव मदद देने की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, गैस और उर्वरक हॉर्मुज स्ट्रेट से आयात करता है। युद्ध के बावजूद सरकार का प्रयास रहा है कि पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति प्रभावित न हो। खाद और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर चर्चा की गई। इस युद्ध से भारत के व्यापक व्यापारिक रिश्तों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की जरूरतों के लिए मध्य–पूर्व महत्वपूर्ण है। सरकार विभिन्न देशों के सप्लायर्स से संपर्क में है और वैकल्पिक रूटों से आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है। मोदी ने पूरे विश्व से आग्रह किया कि सभी पक्ष मिलकर इस संकट का समाधान जल्द से जल्द निकालें।

उन्होंने भारत की विदेश नीति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए सरकार की सतर्कता और तत्परता पर जोर दिया। मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदलती है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री के भाषण की सराहना की और कहा कि यह देश के लिए जरूरी था।

कहा, भारत में और प्रभावित देशों में 24x7 कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं

होर्मुज से भारत की ओर रवाना हुए दो भारतीय एलपीजी जहाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर, जग वसंत और पाइन गैस, भारत की ओर रवाना हुए हैं। ये जहाज फारस की खाड़ी से लारक-केशम चैनल होते हुए गुजरेंगे। दोनों जहाजों में भारतीय क्रू हैं और सुरक्षित पारगमन के लिए तैयार हैं। युद्ध के कारण होर्मुज में शिपिंग ट्रैफिक कम हो गया है, लेकिन भारत की कूटनीति और ईरानी नेवी की गाइडेंस से इनकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

असम में एम्बुलेंस और ट्रक की टक्कर में सात लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के सोनितपुर जिले में नेशनल हाइवे 15 पर देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक एम्बुलेंस, जिसमें मरीज और उसके परिवार के सदस्य सवार थे, तेजपुर चिकित्सा महाविद्यालय जा रही थी, तभी ट्रक से जोरदार टकरा गई। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई।

एसएसपी बरुन पुरकायस्थ ने बताया कि छह लोग मौके पर ही मृत पाए गए, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस और आपातकालीन सेवा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। हादसे के कारण राजमार्ग पर यातायात बाधित हुआ था, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया। इसी तरह मध्यप्रदेश के मंडला जिले में एक बाइक पुल से गिर गई, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। घटना बीजाडांडी थाना क्षेत्र के भैंसवाही गांव के पास शनिवार रात हुई। बाइक सड़क पर गड्ढे में फंसने के कारण नीचे गिर गई। चारों युवक गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में उनकी मौत हो गई। ये हादसे सड़क सुरक्षा और सावधानी की आवश्यकता को फिर से याद दिलाते हैं। अधिकारियों ने दुर्घटनाओं के कारणों की जांच शुरू कर दी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

बजट सत्र के पहले दिन आप विधायकों का विरोध प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हुआ। सत्र के पहले ही आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इसका कारण पिछले सत्र में सस्पेंड किए गए चार आप विधायकों के निलंबन का रद्द न होना है।

सस्पेंड किए गए चार विधायकों में संजीव झा, कुलदीप कुमार, जरनैल सिंह और सोमदत्त शामिल हैं। जनवरी में हुए पिछले विधानसभा सत्र में सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में इन चारों को निलंबित किया गया था। उनका निलंबन अब तक जारी है और बजट सत्र में भी उन्हें भागीदारी की अनुमति नहीं दी जा रही है।

आप विधायक और विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार को जनहित के मुद्दों पर अवगत कराना है, लेकिन पिछले साल भाजपा ने विपक्ष की आवाज दबाने का काम किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही विपक्षी विधायकों ने जनहित के मुद्दे उठाए, उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया गया। आतिशी ने कहा कि यदि विपक्ष के विधायकों को सदन में प्रवेश और बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, तो फिर ऐसे सत्र बुलाने का कोई अर्थ नहीं है। विधायकों का विरोध इसी वजह से बजट सत्र के पहले दिन शुरू हो गया।

कुवैत में क्रैश हुआ अमेरिका का एक और फाइटर जेट, ईरान–यूएस संघर्ष बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष के बीच कुवैत में अमेरिका का एक फाइटर जेट क्रैश हो गया। विमान पर हमला हुआ और कुछ ही मिनटों में यह नीचे गिर गया। इससे अमेरिका को बड़ा झटका लगा है। इससे चार दिन पहले ईरान ने अमेरिका के एफ–35 विमान को भी गिराया था।

इससे पहले ईरान ने तेहरान में ऑपरेशन पर निकले अमेरिकी एफ–35 विमान को निशाना बनाया, जिसमें विमान को काफी नुकसान पहुंचा। कुवैत में क्रैश हुए विमान की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हुई है और अमेरिका ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार पायलट सुरक्षित हैं और उनकी स्थिति स्थिर है, हालांकि उन्हें शार्पनेल चोटें आईं। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विमान को संभवतः सर्फेस-टू-एयर मिसाइल (एसएएम) से नुकसान हुआ। यह घटना ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान हुई, जिसमें अमेरिकी एफ-35 ए स्टील्थ फाइटर ईरान के ऊपर मिशन पर था।

टेस्ट ड्राइव के बहाने लग्जरी बाइक चुराने वाला एमबीए छात्र गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक एमबीए छात्र पुनीत को गिरफ्तार किया, जो टेस्ट ड्राइव के बहाने लग्जरी बाइक चुराता था और उन्हें सस्ते दामों पर बेच देता था। आरोपी शो रूम में अंग्रेजी बोलकर भरोसा जीतता और महंगी बाइक लेकर बाहर निकल जाता। उसने दिल्ली और गुरुग्राम के कई शोरूम को निशाना बनाया। पुलिस ने शोरूम मालिकों के साथ मिलकर टेस्ट ड्राइव वाली बाइक में जीपीएस लगवाया। पुनीत ने तीन महीनों में लगभग 9 बाइक चोरी की, जिनकी कीमत 3 से 7 लाख रुपये के बीच थी। आरोपी बीबीए करने के बाद एमबीए कर रहा था और सोशल साइट्स के जरिए फर्जी दस्तावेज बनाकर बाइक बेचता था।

चार साल बेमिसाल: सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गिनाईं उपलब्धियां और विकास कार्यों की सौगात

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित "4 साल बेमिसाल" कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि चार साल में राज्य की आर्थिकी में डेढ़ गुना वृद्धि हुई और प्रतिव्यक्ति आय में 41% की बढ़ोतरी हुई। राज्य में 20,000 से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए और स्टार्टअप की संख्या 700 से बढ़कर 1,750 हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि नीति आयोग के सतत् विकास लक्ष्य इंडेक्स में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, वहीं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और स्टार्टअप रैंकिंग में भी राज्य को सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि बीते चार वर्षों में राज्य में जी–20 सम्मेलन, राष्ट्रीय खेल और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन हुआ।

सीएम धामी ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार और नकल विरोधी कानूनों के माध्यम से 30,000 युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाई और 100 से अधिक नकल माफिया जेल भेजे। देवभूमि के संरक्षण के लिए 12,000 एकड़ से अधिक सरकारी भूमि मुक्त कराई गई। उन्होंने कहा कि नई कार्य संस्कृति के तहत परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण समय पर किया जा रहा है। रोड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल और हवाई कनेक्टिविटी मजबूत की गई। साथ ही, सभी मदरसों में सरकारी बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम लागू किए जाएंगे। समारोह में कई कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पाक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश एयरफोर्स कर्मचारी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान इंटेलिजेंस ने असम के एयर फोर्स स्टेशन (चाबुआ) से एक सिविलियन कर्मचारी, सुमित कुमार को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी एयर फोर्स से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेज रहा था। जांच में पता चला कि सुमित 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले जानकारी साझा कर रहा था।

सुमित कुमार ने चाबुआ एयर फोर्स स्टेशन और अन्य सैन्य ठिकानों की खुफिया जानकारियां पाकिस्तान पहुंचाईं। इसमें बीकानेर एयर फोर्स स्टेशन, मिसाइल सिस्टम, फाइटर एयरक्राफ्ट लोकेशन और अधिकारियों से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं शामिल थीं। आरोपी ने अपने मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने में भी मदद की। आरोपी को 22 मार्च 2026 को जयपुर के स्पेशल पुलिस स्टेशन में गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ ऑफीसियल सीक्रेट एक्ट, 1923 और बीएनएस एक्ट, 2023 की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। इस गिरफ्तारी से भारत में पाकिस्तान समर्थित बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ। मामले की आगे की जांच जारी है और अन्य संदिग्धों की पहचान के लिए छानबीन जारी है।

बिहार बोर्ड : 12वीं में लड़कियों ने मारी बाजी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार बोर्ड 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित हो गया, जिसमें कुल 85.19% स्टूडेंट्स सफल हुए। लड़कियों का पास प्रतिशत 86.23% रहा, जबकि लड़कों का 84.09% रहा। कुल 6,70,971 छात्राओं में 5,78,611 और 6,33,229 छात्रों में 5,32,486 छात्र सफल हुए। साइंस में आदित्य प्रकाश अमन टॉपर रहे, आर्ट्स में निशु कुमारी और कॉमर्स में अदिति कुमारी ने पहला स्थान पाया। टॉपर लिस्ट में भी लड़कियों की संख्या अधिक रही, जो इस साल उनके बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है।

मेगा ब्लॉक से पटरी पर संकट, ट्रेनों का बदला रूट

दो अप्रैल से मथुरा होकर गुजरेगी आगरा फोर्ट–लखनऊ इंटरसिटी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में कानपुर–लखनऊ रेलखंड पर पुल संख्या 110 के पास स्लीपर बिछाने के लिए 01 अप्रैल से 14 मई तक मेगा ट्रैफिक व पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके चलते आगरा से गुजरने वाली कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। कई ट्रेनों को रदद किया गया है। 2 अप्रैल से आगरा फोर्ट लखनऊ इंटरसिटी ट्रेन भी मथुरा–कासगंज मार्ग से चलाई जाएगी। रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन संख्या 12180 आगरा फोर्ट–लखनऊ इंटरसिटी 2 अप्रैल से 13 मई तक अपने निर्धारित मार्ग आगरा से चलेगी। उन्होंने बताया कि जयपुर–बांदीकुई रेलखंड पर दौसा स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते कई ट्रेन आंशिक रूप से रद्द की गईं हैं। कई ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लग जाएगा। 2 और 5 अप्रैल को रेल संचालन प्रभावित रहेगा। इस दौरान ट्रेनों को रेगुलेट किया गया है। ट्रेनों को रोककर धीमी गति से गुजारा जाएगा। जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि गाड़ी संख्या 51973 मथुरा–जयपुर रेल सेवा अलवर तक ही संचालित होगी। गाड़ी संख्या 51974 जयपुर–मथुरा सेवा जयपुर के स्थान पर अलवर से चलेगी। गाड़ी संख्या 12195 आगरा फोर्ट–अजमेर बांदीकुई तक सीमित रहेगी। बांदीकुई से अजमेर के बीच आंशिक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12196 अजमेर–आगरा फोर्ट सेवा बांदीकुई से संचालित होगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 14864 जोधपुर–वाराणसी सिटी 30 मिनट देरी से चलेगी। वहीं 19616 कामाख्या–उदयपुर सिटी रेल सेवा 2 अप्रैल को प्रस्थान के बाद मार्ग में 1 घंटा 20 मिनट देरी से संचालित होगी। उन्होंने बताया कि यात्री समय और ठहराव की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट या एनटीईएस एप से कर लें। फोर्ट–टूंडला–कानपुर सेंट्रल–लखनऊ के बजाय आगरा फोर्ट–मथुरा–कासगंज–शाहजहांपुर–लखनऊ मार्ग से चलाई जाएगी।

अब 75 फेरों के लिए चलेगी टनकपुर–अछनेरा एक्सप्रेस

यूनिक समय, मथुरा। टनकपुर–अछनेरा एक्सप्रेस के पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा बार–बार फेरे बढ़ाए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक इसे नियमित रूप से संचालित नहीं किया जा सका है। एक बार फिर रेलवे ने इस ट्रेन के 75 फेरों के संचालन की मंजूरी दी है। यात्रियों का कहना है कि पिछले तीन साल से इस ट्रेन को स्पेशल ट्रेन के रूप में ही चलाया जा रहा है, जिससे इसकी समय सारिणी और संचालन पर अनिश्चितता बनी रहती है, जबकि इस ट्रेन का विस्तार मथुरा कैंट से अछनेरा तक किए जाने के बाद यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है और इसकी उपयोगिता भी साबित हो चुकी है। इसके बावजूद इसे नियमित ट्रेन घोषित न किया जाना यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना रहा। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक संजीव कुमार शर्मा का कहना है कि रेलव बोर्ड की ओर से इस तरह के निर्णय लिए जाते हैं।

चांदी लूट के आरोपी को नहीं मिली जमानत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन की तृतीय एंट्री के पास हुई चांदी और नकदी लूट के मामले में जिला जज विकास कुमार ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि हाथरस निवासी योगेश कुमार ने 6 जनवरी 2026 को शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, वह छिंदवाड़ा से चांदी बेचकर 3282 ग्राम कच्ची चांदी और नकदी लेकर लौटे थे। रात में स्टेशन से बाहर निकलते समय

जंक्शन की तृतीय एंट्री के समीप से लूटी थी चांदी

वर्दीधारी बदमाशों ने उन्हें रोककर बैग छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले का खुलासा कर आरोपी दीपक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने जमानत के लिए अदालत में याचिका दायर की, लेकिन अदालत ने गंभीरता को देखते हुए उसे खारिज कर दिया।

चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़ की चोरी

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र की महादेव वाली गली में चोरों ने एक बंद पड़े मकना को निशाना बनाकर कीमती बर्तन आदि सामान चोरी कर लिया। थाना कोतवाली क्षेत्र के महादेव गली निवासी बंटी के घर को चोरों ने अपना निशाना बनाया। चोरों ने घर में लगे ताले तोड़ कर अंदर प्रवेश किया और बड़े इत्मीनान के साथ घर में रखे सामान को चोरी कर ले गए। सोमवार को जब बंटी अपने पुराने घर से गैस सिलेंडर लेने वहां पहुंचा तो घर में लगे ताले को टूटा देख कर उसे किसी

चोर घर में रखे कीमती सामान, बर्तन व इनवर्टर ले गए

अनहोनी की आशंका हुई। घर के अंदर पहुंचकर जब उसने सामान बिखरा देखा तो उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई। चोरों ने घर के कमरों को खंगालकर वहाँ रखे कीमती पीतल और तांबे के बर्तन, बैट्री और इनवर्टर चोरी कर लिए हैं। घर में हुई चोरी की वारदात की लिखित शिकायत बंटी ने कोतवाली में की है।

जिले में यूपी बोर्ड कॉपी जांच में तेजी, लाखों उत्तर पुस्तिकाएं अभी शेष

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य तेजी से चल रहा है। मूल्यांकन केंद्रों जीआईसी व किशोरी रमण इंटर कॉलेज पर परीक्षक लगातार कॉपियों की जांच में जुटे हुए हैं, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई जा सके। सोमवार को हुई प्रगति के अनुसार हाईस्कूल की 27,910 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर लिया गया है,अब शेष 119779 शेष बची है जबकि इंटरमीडिएट की 17,118 कॉपियों की जांच सोमवार को जांची गई है जबकि इंटरमीडिएट की 1,28,713 कॉपियों का मूल्यांकन अभी किया जाना बाकी है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि सभी मूल्यांकन केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं। परीक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है और कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो, इसके लिए नियमित निगरानी भी की जा रही है। पुस्तिकाओं का मूल्यांकन निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

जंक्शन की तृतीय एंट्री पर मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन की तृतीय एंट्री के पास से अज्ञात वृद्ध का शव जीआरपी ने बरामद किया है। शव की जीआरपी ने पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि तृतीय एंट्री के निकट एक 65 वर्षीय वृद्ध का शव पड़ा होने की सूचना डिप्टी एसएस के माध्यम से सोमवार की सुबह मिली। उप निरीक्षक को कार्रवाई के लिए भेजा गया। मृतक के कपड़े आदि की तलाशी ली गई लेकिन उसके पास से कोई वस्तु ऐसी नहीं मिली, जिससे उसकी पहचान संभव हो पाती। शव का पंचायतनामा करने के बाद उसे मोर्चरी में रखवा दिया गया है। शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार की चोट के निशान नहीं हैं। संभवतः वृद्ध की मौत किसी बीमारी की वजह से होना प्रतीत हो रही है। पोस्टमार्टम के बाद ही उसकी मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

जिला अस्पताल में निरीक्षण कर मरीजों को जरूरी सलाह दी

जिला अस्पताल के एक वार्ड का निरीक्षण करते सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल एवं डॉ. सिद्धार्थ धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल एवं डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनका हाल–चाल जाना और उन्हें बीमारी से बचाव व उचित खानपान के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मरीजों को समझाया कि लापरवाही और गलत

सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने वार्डों का किया निरीक्षण

खानपान से बीमारी बढ़ सकती है, इसलिए समय पर दवा लेना और संतुलित आहार अपनाना बेहद जरूरी है। अस्पताल में भर्ती मरीजों से दवाइयों की उपलब्धता, साफ–सफाई और अन्य सुविधाओं के बारे में भी फीडबैक लिया।

पुलिस ने चेकिंग के दौरान पकड़ा बैट्री चोर

यूनिक समय, चौमुहां (मथुरा)। थाना जैंत पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बैट्री और एक इनवर्टर बरामद कर लिया। थाना जैंत पुलिस चेकिंग कर रही थी। पुलिस को इस दौरान एक संदिग्ध युवक जाता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोक कर चेक किया तो उसके पास से चार बैट्री और एक इनवर्टर बरामद

चोरी की चार बैट्रियां व इनवर्टर बरामद

हुआ। पुलिस ने उससे बरामद सामान के बारे में जानकारी की तो उसने बताया कि बेट्री और इनवर्टर उसने चोरी किया था। पुलिस ने गांव भरतिया निवासी गोविंद को चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

विप्र स्वाभिमान महासम्मेलन में नगर के विप्रों का हुआ सम्मान

यूनिक समय, कोसीकलां। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में श्रीजी बाबा आश्रम में हुए विप्र स्वाभिमान महासम्मेलन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए विप्र संगठनों के प्रतिनिधियों और ब्राह्मण समाज के प्रमुख लोगों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री श्यामसुंदर शर्मा ने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में मैथिल ब्राह्मण महासभा के रामदेव भारद्वाज, ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष सुभाष शर्मा, सत्यप्रकाश शर्मा, भारत शर्मा, सोहनलाल मिश्र, जगदीश पाराशर, वीरपाल मिश्रा, भाजपा नेता सतेंद्र मैथिल तथा बच्चू शर्मा ठेकेदार आदि थे।

यमुना छठ को लेकर मुख्य घाटों पर चला सफाई अभियान

यूनिक समय, मथुरा। यमुना छठ पर्व को लेकर नगर निगम ने शहर के मुख्य घाटों पर सफाई अभियान चलाया। मंगलवार को होने वाले इस पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना स्नान और पूजा के लिए घाटों पर पहुंचते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सोमवार को विश्राम घाट, बंगाली घाट, केशी घाट, चीर घाट और अन्य प्रमुख घाटों पर विशेष सफाई कराई गई। सुबह से ही नगर निगम की टीमें घाटों पर पहुंच गईं और सफाई कार्य शुरू कर दिया। घाटों पर फैली गंदगी और कचरे को हटाकर पूरे क्षेत्र को साफ किया गया। सीढ़ियों की भी धुलाई कराई गई, ताकि श्रद्धालुओं को फिसलन की समस्या न हो। साथ

विश्राम घाट, बंगाली घाट व केशी घाट समेत कई स्थानों पर नगर निगम ने चलाया सफाई अभियान

ही घाटों के आसपास कूड़ेदान रखवाए गए हैं, जिससे लोग कचरा इधर–उधर न फैलाएं। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि यमुना छठ पर हजारों की संख्या में लोग घाटों पर आते हैं, इसलिए सफाई के साथ–साथ अन्य व्यवस्थाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कर्मचारियों की ड्यूटी घाटों पर लगाई गई है, ताकि किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत समाधान किया जा सके।

यमुना पूजन से पहले 'दम तोड़ती' यमुना!

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। घाटों पर यमुना पूजन को लेकर जोर–शोर से तैयारियां चल रही हैं। प्रशासनिक स्तर पर साफ–सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के दावे किए जा रहे हैं। श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पूजन और आरती के लिए जुटने की तैयारी में हैं। इसी क्रम में यमुना छठ पर्व भी नजदीक है, जिसमें स्नान और पूजा का विशेष महत्व होता है। लेकिन इन तैयारियों के बीच गोकुल बैराज की रिपोर्ट एक असहज सवाल खड़ा कर रही है– क्या जिस यमुना की पूजा की तैयारी हो रही है, उसकी वास्तविक स्थिति पर भी उतना ही ध्यान दिया जा रहा है? प्रशासन और जनप्रतिनिधि लंबे समय से यमुना सफाई, सीवेज ट्रीटमेंट और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बड़े दावे करते रहे हैं। योजनाएं और अभियान भी चलाए गए, लेकिन ताजा आंकड़े इन प्रयासों की जमीनी हकीकत को उजागर कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार यमुना की गहराई 1.6 मीटर, कंडक्टिविटी 1608.75 एमएस/सेमी और जल स्तर 163.99 मीटर (एमएसएल) दर्ज किया गया है, जो पानी में घुले ठोस पदार्थों की अधिकता की ओर इशारा करता है। क्या यमुना पूजन और यमुना छठ जैसे पवित्र अवसरों पर श्रद्धालु जिस नदी में आस्था की डुबकी लगाएंगे, वह वास्तव में सुरक्षित और शुद्ध है?

दूसरी ओर यमुना की सेहत पर

गोकुल बैराज रिपोर्ट ने खोली सच्चाई, यमुना छठ से पहले बड़ा सवाल

आई ताजा रिपोर्ट ने चौंकाने वाली तस्वीर सामने रख दी है।

विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर गोकुल बैराज प्वाइंट से जारी रियल टाइम वाटर क्वालिटी डेटा ने साफ संकेत दिया है कि आस्था की इस धारा में प्रदूषण का संकट गहराता जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यमुना का घुलित ऑक्सीजन स्तर महज 3 मिलीग्राम/लीटर दर्ज हुआ है, जो जलीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। इसके साथ ही बीओडी 4.73 मिलीग्राम/लीटर और सीओडी 20.13 मिलीग्राम/लीटर, पानी में बढ़ते जैविक और रासायनिक प्रदूषण को उजागर करते हैं।

टीओसी 11.84 मिलीग्राम/लीटर यह दर्शाता है कि यमुना लगातार सीवेज और गंदगी का दबाव झेल रही है। सबसे ज्यादा चिंता का विषय टर्बिडिटी 52.17 एनटीयू है–यानि पानी अत्यधिक गंदा और अपारदर्शी हो चुका है। वहीं क्लोराइड 178.73 मिलीग्राम/लीटर और नाइट्रेट 1.43 मिलीग्राम/लीटर भी बढ़ते प्रदूषण के संकेत दे रहे हैं। पीएच (7.33) और तापमान (24.84त्सेल्सियस) भले सामान्य हों, लेकिन कुल मिलाकर यमुना की हालत गंभीर बनी हुई है।

यमुना में डूबती युवती को नाविकों ने बचा लिया

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के चीर घाट पर एक युवती द्वारा यमुना में छलांग लगा कर आत्महत्या करने के प्रयास का वीडियो वायरल हो रहा है। यमुना में कूदने वाली युवती को वहां मौजूद नाविकों ने तुरंत कूद कर बचा लिया।

वायरल वीडियो रविवार का बताया जा रहा है। वीडियो में चीर घाट पर एक युवती ने यमुना में झलांग लगा दी। घाट पर मौजूद नाविकों ने जब युवती को कूदते देखा तो तुरंत कई नाविक उसे बचाने के लिए यमुना में कूद गए। काफी प्रयास के बाद नाविकों ने डूबती युवती को बचा लिया। नाविकों ने जब युवती से आत्महत्या करने का कारण पूछा तो उसने सिर्फ इतना ही कहा कि वह बेहद दुखी है और आत्महत्या करना चाहती है।